हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, गुरुवार 2 जुलाई 2026

तापमान

अधिकतम 31.8 डिग्री

न्यूनतम 26.8 डिग्री

शिक्षा नहीं साख जरूरी... कमजोर छात्रों को बाहर का रास्ता दिखा रहे निजी स्कूल, शासकीय में भी दाखिले से इंकार

कमजोर परीक्षा परिणाम के कारण प्राचार्यों पर हुई है थोक में कार्रवाई

केस 1

गांधी नगर निवासी लालिमा ध्रुव सिंगल मदर हैं। उनके पति की दस वर्ष पूर्व एक हादसे में मृत्यु हो गई। उनके तीन बच्चों में 2 लड़की और एक लड़का है। आठवीं कक्षा तक की पढ़ाई करने के बाद लड़का कपड़े की दुकान पर काम करने लगा। बड़ी बेटी ने 12वीं उत्तीर्ण कर आईटीआई में दाखिला लिया है और छोटी बेटी को दसवीं कक्षा में प्रवेश दिलाने वे जद्दोजदह कर रही हैं। उन्होंने बताया कि नवमी तक की पढ़ाई छोटी बेटी ने होलीक्रॉस कांपा से की। पूरक आने के पश्चात तृतीय श्रेणी से वह नवमी कक्षा उत्तीर्ण कर सकी। दसवीं में प्रवेश के लिए जब शांति नगर स्थित पीजी उमाठे विद्यालय पहुंची तो कम अंकों की बात कहते हुए दाखिला नहीं दिया गया। कई अन्य विद्यालयों में भी प्रवेश के लिए कोशिश की, लेकिन निराशा मिली। अंततः अपनी बेटी को पढ़ाई के लिए मामा के पास गरियाबंद के गांव सरकड़ा भेज दिया।

केस 2

पंडरी के अशोक विहार में रहने वाले हेमलता व रतन यादव के दो बेटे और एक बेटी है। अपनी इकलौती बेटी को आठवीं कक्षा तक निजी विद्यालय में पढ़ाने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए शासकीय विद्यालय मोवा लेकर गए। वहां उन्हें कम अंकों का हवाला देकर लौटा दिया गया। उनका कहना है कि यदि बच्चों को कुछ नहीं आता है तो उन्हें सीखाना शिक्षक की जिम्मेदारी है। वे इतने पढ़े-लिखे नहीं हैं कि अपने बच्चे का प्रदर्शन सुधार सकें। शाकसीय विद्यालयों में मिले इस तरह के जवाब से उन्हें निराशा हुई है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

पढ़ाई में कमजोर छात्रों के लिए निजी स्कूलों के साथ-साथ अब शासकीय विद्यालयों के रास्ते भी बंद होने लगे हैं। अप्रैल माह में दसवीं और बारहवीं कक्षा के नतीजे घोषित होने के बाद कमजोर परिणाम वाले विद्यालयों के प्राचार्य पर थोक में कार्रवाई हुई। इनमें वेतनवृद्धि रोके जाने से लेकर निलंबन तक शामिल रहा। निजी स्कूल जहां अपनी साख बचाने कमजोर छात्रों को प्रवेश नहीं दे रहे हैं तो वहीं शासकीय विद्यालय के प्राचार्य कार्रवाई से बचने कमजोर छात्रों को दाखिला देने में आनाकानी कर रहे हैं। राजधानी रायपुर में ही इस तरह के मामले सामने आए हैं। हालांकि जिला शिक्षा कार्यालय ने इस तरह की शिकायतों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है, लेकिन पालक दाखिले के लिए अब भी भटक रहे हैं।

निजी स्कूल भी साख बचाने कमजोर छात्रों को कर रहे किनारे

हेमलता यादव

लालिमा ध्रुव

इधर, निजी स्कूल भी दिखा रहे बाहर का रास्ता

शासकीय विद्यालयों के प्राचार्य ने बातचीत में बताया कि कई निजी स्कूल कमजोर छात्रों को जानबूझकर 9वीं और 11वीं कक्षा में फेल कर रहे हैं ताकि बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम प्रभावित ना हो। अनुत्तीर्ण किए जाने के अलावा अन्य कई कारण बताकर भी छात्रों को बाहर किया जा रहा है। ये विद्यार्थी ही उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में प्रवेश के लिए निजी विद्यालय छोड़कर शासकीय विद्यालय आ रहे हैं।

सभी को प्रवेश

हम सभी को दाखिला प्रदान कर रहे हैं। अंकों के आधार पर भेदभाव जैसी कोई स्थिति नहीं है। संभवतः कोई गलतफहमी हुई होगी।

- डॉ.विद्या सक्सेना, प्राचार्य, शांति नगर विद्यालय

अधिकार नहीं

शासकीय विद्यालयों के प्राचार्य को यह अधिकार ही नहीं है कि वे कम अंक के आधार पर किसी का प्रवेश रोके। कार्रवाई के बाद भी प्राचार्य सभी को दाखिले दे रहे हैं।

- संजय शर्मा, अध्यक्ष, छग शिक्षक संघ

पहुंच रहे पालक

हमारे पास बड़ी संख्या में पालक पहुंच रहे हैं, जो शासकीय विद्यालयों में कम अंकों के कारण दाखिला नहीं दिए जाने की बात कह रहे हैं। गरीब होने के कारण ये बच्चों को निजी स्कूल में पढ़ाने असमर्थ हैं।

-राजीव गुप्ता
अध्यक्ष, निजी स्कूल संघ

खबर संक्षेप

बच्चे के साथ रेप, दूर के रिश्तेदार को 20 वर्ष कैद

रायपुर। बच्चे के साथ रेप के आरोप में पीड़ित के दूर के रिश्तेदार को विशेष न्यायाधीश विनय कुमार प्रधान की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 20 वर्ष कैद की सजा सुनाई है। घटना सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में एक वर्ष पूर्व की है। विशेष लोक अभियोजक विमला तांडी के मुताबिक कोर्ट ने गन्नू उर्फ गणेश यादव को कैद की सजा सुनाई है। रिश्तेदार ने बच्चे को मोबाइल पर बात करने के बहाने ले जाकर 15-16 सितंबर की दरमियानी रात रेप कर उसके साथ मारपीट की थी।

डोडा चूरा तस्कर को कैद के साथ जुर्माना

रायपुर। डोडा चूरा के साथ पकड़े गए तस्कर को विशेष न्यायाधीश पंकज सिन्हा की एनडीपीएस कोर्ट ने चार वर्ष कैद के साथ 40 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

आमानाका थाने की पुलिस ने दो वर्ष पूर्व युवक के कब्जे से दो वर्ष पूर्व साढ़े चार किलो डोडा चूरा जब्त किया था। विशेष लोक अभियोजक केके चंद्राकर के मुताबिक कोर्ट ने मोबिन सिद्दीकी को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। पुलिस ने उसके कब्जे से टाटीबंध-हीरापुर मार्ग पर एक पेट्रोल पंप के पास से मादक पदार्थ जब्त किया था।

नवा रायपुर में केबल लोहा चोरी, दो गिरफ्तार

रायपुर। नवा रायपुर में बिजली केबल तथा लोहा चोरी करने वाले दो लोगों को राखी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एनआरडीए के नविता सिन्हा की शिकायत पर पुलिस ने मंदिर हसौद निवासी विजय कुमार ठाकुर, विजय सौरा को गिरफ्तार किया है। एनआरडीए के अधिकारी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि नवा रायपुर में तीन-चार वर्षों से चोर सक्रिय हैं। अज्ञात चोर बिजली केबल तथा निर्माणाधीन मकान से लोहा चोरी कर ले जा रहे हैं। पुलिस का गश्ती दल सोमवार रात गश्त करने निकला था, इस दौरान दोनों पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए थे। इसके बाद जानकारी जुटाकर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया।

पुलिस का ऑपरेशन कालचक्र, दबोचे गए बदमाश

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट के नार्थ जोन में बुधवार को ऑपरेशन कालचक्र अभियान चलाकर गुंडे, बदमाशों के साथ वारंटियों की गिरफ्तारी की गई। कांबिंग गश्त कर पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 190 वारंटों की तामीली की, जिसमें 24 स्थायी वारंट, 68 गिरफ्तारी वारंट एवं 98 जमानती वारंट शामिल हैं। विशेष अभियान के दौरान विभिन्न प्रकरणों में फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा आदतन अपराधियों, निगरानी बदमाशों, गुंडा बदमाशों एवं चाकूबाजों की सघन जांच कर कार्रवाई की गई। 29 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। आबकारी के आठ तथा आर्म्स एक्ट के तीन प्रकरण दर्ज किए गए।

आक्रोशित ग्रामीणों ने दिया धरना, रात तक डटे रहे

नकटी के लोगों ने कलेक्टोरेट घेरा, ग्रिल कटवाकर अधिकारी और कर्मचारी पीछे के रास्ते से निकले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ग्राम नकटी के प्रभावित परिवारों का गुस्सा अब तक शांत नहीं हुआ है। नया रायपुर में शिफ्ट हुए परिवार इस छोटे से फ्लैट्स में रहना नहीं चाहते और अब वे ग्राम नकटी या उसके आसपास इलाके में ढाई डिसमिल जमीन तथा मुआवजा राशि की मांग कर रहे हैं। इन मांगों को लेकर प्रभावित परिवार बुधवार को कलेक्टोरेट का घेराव करते हुए मुख्य गेट के सामने धरने पर बैठ गए। इस दौरान प्रशासन की ओर से परिवारों को समझाइश देने का प्रयास किया गया, लेकिन वे नहीं माने और अपनी मांग मनवाने के लिए धरना जारी रखा। इधर शाम को सरकारी विभागों का ड्यूटी टाइम खत्म होने पर भी जब प्रदर्शनकारी मुख्य गेट से हटे नहीं, तो आनन-फानन में प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों को टाउन हॉल की तरफ पीछे के रास्ते से चुपके से कलेक्टोरेट परिसर से बाहर निकाला गया। इसके लिए परिसर में लगे वाहन प्रवेश अवरोधक गैलेरी को भी काटा गया, ताकि दोपहिया एवं चारपहिया वाहन वहां से आसानी से निकल सकें। ⏭ शेष पेज 13 पर

दोपहर डेढ़ बजे से धरने पर बैठे प्रभावित परिवार, रात में किया खत्म

ग्राम नकटी के प्रभावित परिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे एकत्र होकर कलेक्टोरेट पहुंचे। उनके पहुंचने की जानकारी पहले ही प्रशासन को मिल चुकी थी, जिसे देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से कलेक्टोरेट परिसर में प्रवेश करने वाले मुख्य गेट पर बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोकने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई थी। बैरिकेडस एवं पुलिस बल के कारण ढाई से तीन सौ की संख्या में पहुंचे प्रभावित लोग कलेक्टर से आमने-सामने मिलकर अपनी मांगों को लेकर बातचीत करना चाहते थे, लेकिन लोगों की भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर उनसे मिलने पहुंचे और ज्ञापन देकर जाने की सलाह दी। प्रभावित परिवारों ने इससे इनकार कर दिया और मुख्य गेट के बाहर ही धरने पर बैठ गए। यह धरना देर रात तक जारी रहा। प्रभावित परिवारों ने बातचीत के दौरान बताया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, वे यहीं धरने पर बैठे रहेंगे।

मांग पूरा करने 24 घंटे का अल्टीमेटम

धरना दे रहे प्रभावित परिवारों ने रात करीब 9.15 बजे अपना प्रदर्शन तब खत्म किया, जब उनसे कलेक्टर गौरव सिंह मिलने पहुंचे। इस दौरान कलेक्टर ने उन्हें आश्वासन देते हुए समझाइश देने का प्रयास भी किया, लेकिन प्रभावित परिवारों ने कलेक्टर की एक नहीं मानी और अपनी मांगों पर अड़े रहे। हालांकि कलेक्टर के निवेदन पर प्रभावित परिवारों ने 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। प्रभावितों ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि अगर 24 घंटों के दौरान उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे सभी वापस कलेक्टोरेट का घेराव कर धरना-प्रदर्शन करेंगे और तब तक करेंगे, जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाएंगी।

ग्रामीणों के खिलाफ बलवा का केस दर्ज

इधर नकटी गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान पुलिस कर्मियों के साथ हुई धक्का-मुक्की के मामले में ग्रामीणों के खिलाफ बलवा का मामला भी दर्ज किया गया है। आरोप है कि विरोध के दौरान कई ग्रामीणों ने बुलडोजर में तोड़फोड़ और अधिकारियों से धक्का-मुक्की की। पुलिस वीडियो फूटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर रही है। उल्लेखनीय है कि इस कार्रवाई में करीब 80 मकानों को तोड़ने की कार्रवाई की गई थी।

नकटी के प्रभावितों के पुनर्वास के लिए आठ सदस्यीय समिति

नया रायपुर के ग्राम नकटी की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बीच शासन-प्रशासन ने अतिक्रमण प्रभावित 65 परिवारों को बेघर छोड़ने के बजाय उन्हें नया रायपुर अटल नगर के सेक्टर-30 स्थित सर्वसुविधायुक्त ईडब्ल्यूएस आवासों में बसाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रभावित परिवारों को केवल पक्का मकान ही नहीं, बल्कि बिजली, पेयजल, सड़क, सीवर, सामुदायिक भवन, उद्यान और अन्य शहरी सुविधाओं से युक्त आवासीय परिसर उपलब्ध कराया जा रहा है। पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से पूरी हो, इसके लिए आठ सदस्यीय समिति भी गठित कर दी गई है।

सरकार ने पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए मुख्यालय के अपर आयुक्त की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय समिति गठित की है। ⏭ शेष पेज 13 पर

चौथे तल पर 109 मकान में पुनर्वास

सेक्टर-30 में कुल 1376 ईडब्ल्यूएस (जी+3) आवास निर्मित हैं। इनमें चतुर्थ तल पर उपलब्ध 109 रिक्त आवास पुनर्वास के लिए चिन्हित किए गए हैं। 31.45 वर्गमीटर (338.40 वर्गफीट) क्षेत्रफल वाले इन आवासों के परिसर में पक्की कंक्रीट सड़कें, वॉकिंग ट्रैक, सार्वजनिक उद्यान, सामुदायिक भवन, यूटिलिटी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सीवर नेटवर्क और नियमित जलापूर्ति जैसी सभी आवश्यक शहरी सुविधाएं उपलब्ध हैं। पुनर्वास को केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित न रखते हुए सरकार ने आवासों को रहने योग्य बनाने का काम भी तेजी से शुरू किया। आवासों में ट्यूबलाइट, पंखे और विद्युत व्यवस्था पूरी कर दी गई है।

नकटी की उजड़ी बस्ती में नहीं लेंगे मकान

कांग्रेस के चार विधायकों की घोषणा, बाकी भी यही करेंगे?

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के नकटी गांव में अतिक्रमण की कार्रवाई पर सियासत तेज हो गई है। प्रशासन प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के लिए यहां गरीबों के 80 घरों को तोड़कर कॉलोनी बनाना चाहता है, लेकिन उजड़े गरीबों की जगह पर विधायक निवास लेने से कांग्रेस के चार विधायकों ने साफ इनकार कर दिया है।यही नहीं, अब कांग्रेस पार्टी इस तैयारी में है कि बचे कांग्रेस के 30 विधायकों के लिए इस बात के लिए राजी किया जाए।

नकटी गांव में अतिक्रमण की कार्रवाई पर सियासत तेज

उल्लेखनीय है कि प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए कहा था कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है, लेकिन यहां रहने वाले लोगों का दावा है कि वह बीते 30 से 40 सालों से यहां रह रहे थे। उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ भी मिल रहा था, अगर यह बस्ती अवैध थी तो यहां पीएम आवास का निर्माण कैसे किया गया। कांग्रेस इसे लेकर ⏭ शेष पेज 13 पर

बृजमोहन ने सालभर पहले लिखा था पत्र

नकटी गांव के लोगों को हटाना अमानवीय

ग्राम नकटी के 88 परिवारों को गांव से बेदखल करने के मामले में अब से एक साल पहले सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने एक पत्र लिखकर कहा था कि यहां के लोगों को न हटाया जाए, उन्हें हटाया जाना अमानवीय होगा।

श्री अग्रवाल ने यह पत्र मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को भेजा था। पत्र में कहा गया था कि वहां वर्षों से बसे लोगों के घरों को उजाड़ने के लिए नोटिस जारी किया गया है, जिस पर ग्राम पंचायत एवं ग्राम वासियों ने आपत्ति दर्ज की है। ग्रामवासियों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन के हवाले से श्री अग्रवाल ने लिखा था कि ग्राम नकटी स्थित खसरा नंबर 460, 15.4790 हेक्टेयर भूमि जो गांव के ही पूर्वजों द्वारा सम्मिलित भूमि है, जो चारगाह के लिए जनहित में सुरक्षित एवं संरक्षित रखी गई थी, इस संरक्षित भूमि ⏭ शेष पेज 13 पर

बिजली दरों में आज से बढ़ोतरी, अगले माह के बिल पर पड़ेगा भारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में महंगी बिजली की मार झेल रहे लोगों को आज से एक और झटका लगने वाला है। छत्तीसगढ़ विद्युत नियामक आयोग द्वारा तय बिजली की नई दरें आज से लागू हो गई हैं। अब उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 30 से 50 पैसे अधिक बिल देने होंगे।

पिछले साल घरेलू बिजली में जहां 10 से 20 पैसे की वृद्धि हुई थी, वह इस बार 30 से 50 पैसे बढ़ गई है। गैर घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली ⏭ शेष पेज 13 पर

10 प्रतिशत की विशेष छूट

मुख्यमंत्री ने बताया कि केवल सरचार्ज माफ ही नहीं किया जाएगा, बल्कि निर्धारित अवधि के भीतर बकाया बिजली बिल का भुगतान करने वाले पात्र उपभोक्ताओं को 10 प्रतिशत की विशेष छूट भी दी जाएगी। इससे उपभोक्ताओं को सीधे आर्थिक लाभ मिलेगा और वे कम राशि में अपना लंबित बिल जमा कर सकेंगे।

मामला उजागर होने पर अभनपुर एसडीएम ने उत्खनन पर लगाई रोक

लापरवाही या चूक, रेल परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि पर खनिज-राजस्व ने दिया मुरुम उत्खनन का ठेका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले के अभनपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गिरोला में खनिज विभाग के अधिकारी-निरीक्षक से लेकर तहसीलदार, पटवारी की बड़ी लापरवाही सामने आई है। गिरोला में जिस भूमि पर मुरुम उत्खनन करने की अनुमति दी गई है, वह न केवल शासकीय निकली, बल्कि यह भूमि अभनपुर से खरसिया तक नई रेललाइन परियोजना के लिए प्रस्तावित है। इसके बाद भी इस भूमि पर खनिज विभाग ने मुरुम उत्खनन की अनुमति दे दी है। इधर इस मामले के उजागर होने पर अब जिला प्रशासन के निर्देश पर अभनपुर एसडीएम ने तत्काल उत्खनन के काम ⏭ शेष पेज 13 पर

फाइल फोटो

दो माह का अनुबंध

ग्राम गिरोला स्थित खसरा नंबर 445 की भूमि पर तालाब गहरीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए 6 हजार घनमीटर मुरुम एवं मिट्टी उत्खनन एवं परिवहन की अनुमति खनिज विभाग ने दी है। यह अनुमति पूरी प्रक्रिया के तहत दी गई है। सूत्र के अनुसार अनुमति देने से पूर्व खनिज निरीक्षक, पटवारी एवं तहसीलदार की सर्वे रिपोर्ट भी मंगाई गई थी। इस रिपोर्ट के आधार पर विभाग ने दो महीने के लिए मुरुम एवं मिट्टी उत्खनन की अनुमति दी।

रायल्टी भी कराई गई जमा

जिस भूमि पर रेल परियोजना प्रस्तावित है, उस भूमि पर मुरुम-मिट्टी उत्खनन की अनुमति देना कहीं न कहीं बड़ी लापरवाही या फिर खनिज एवं राजस्व विभाग में समन्वय की कमी का परिणाम है। बताया गया कि 4 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर उत्खनन करने की अनुमति दी गई है। इसके लिए बाकायदा ⏭ शेष पेज 13 पर

जांच की जा रही है

जिस खसरा नंबर भूमि पर मुरुम-मिट्टी उत्खनन का काम चल रहा था, वह नई रेल परियोजना के अंतर्गत आती है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल उत्खनन का काम बंद करा दिया है।

- रवि सिंह, एसडीएम अभनपुर

रेल परियोजना के लिए भूमि

सूत्रों से पता चला है कि जिस खसरा नंबर भूमि पर मुरुम-मिट्टी उत्खनन की अनुमति दी गई है, वह भूमि अभनपुर से खरसिया तक प्रस्तावित नई रेललाइन परियोजना के लिए अधिग्रहण की गई थी। संभवतः इसकी जानकारी पहले से राजस्व अधिकारी से लेकर पटवारी, आरआई तक को होगी।

66 फीसदी कम बारिश के साथ बीता जून

जुलाई में भी रह सकता है अल्पवर्षा का संकट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जून में बुरी तरह निराश करने वाले मानसून की गतिविधि कम रहने के आसार हैं। उत्तर और दक्षिण में वर्षा की गतिविधि ठीक रह सकती है, मगर मध्य हिस्से को अल्पवर्षा के संकट से गुजरना पड़ सकता है। तैयार हो रही द्रोणिका का राज्य में व्यापक असर होने की संभावना कम नजर आ रही है। राज्य में पिछला ⏭ शेष पेज 13 पर

दिनभर बादल मगर बरसे नहीं

राजधानी में बादलों का असर मंगलवार से नजर आ रहा है। बुधवार दिनभर इसका प्रभाव रहने के कारण अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा। बादल को देखते हुए बारिश होने का अनुमान था, मगर ऐसा हो नहीं पाया। वहीं पेंड्रा, अंबिकापुर और जगदलपुर में हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधि बनी रही ⏭ शेष पेज 13 पर

आज से 'कचरा सेठों' का सीपीईबी पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य, नियम तोड़े तो होगी कड़ी कार्रवाई

छत्तीसगढ़ में होटल, मॉल, बड़े अपार्टमेंट, अस्पताल आएंगे दायरे में , नगरीय प्रशासन विभाग ने जारी किया सभी निकायों के लिए आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर कचरा पैदा करने वाले (कचरा सेठ) संस्थानों के लिए अब केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीईबी) के पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य हो गया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि 1 जुलाई से राज्य के सभी बल्क वेस्ट जनरेटर का पोर्टल पर पंजीयन सुनिश्चित किया जाए।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि अब बिना पंजीयन वाले बल्क वेस्ट जनरेटरों के खिलाफ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जा सकती है। इस आदेश के साथ ही राज्य सरकार ने पिछले महीने जारी अपने निर्देशों को लागू करने की समय-सीमा तय कर दी है। पहले नगरीय निकायों को केवल बल्क वेस्ट जनरेटरों की पहचान कर उनका पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए थे, जबकि अब यह व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू हो गई है।

कौन हैं 'कचरा सेठ'

सरकारी भाषा में इन्हें बल्क वेस्ट जनरेटर कहा जाता है। इनमें बड़े होटल, मॉल, मल्टीप्लेक्स, अस्पताल, निजी और सरकारी शिक्षण संस्थान, बड़े कार्यालय, विवाह भवन, आवासीय सोसायटियां, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और ऐसे सभी प्रतिष्ठान शामिल हैं जो प्रतिदिन बड़ी मात्रा में ठोस कचरा उत्पन्न करते हैं। सरकार का मानना है कि शहरों में पैदा होने वाले ठोस कचरे का बड़ा हिस्सा ऐसे ही संस्थानों से निकलता है। इसलिए अब इन कचरा सेठों को केवल कचरा नगर निगम को सौंपना ही नहीं, बल्कि उसके वैज्ञानिक निपटान की जवाबदेही भी निभानी होगी।

डिजिटल निगरानी में आएंगे बड़े कचरा उत्पादक

राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार सभी नगरीय निकायों को अपने क्षेत्र के बल्क वेस्ट जनरेटरों का पंजीयन पोर्टल पर कराना होगा। पंजीयन के बाद प्राप्त डिजिटल रसीद के आधार पर प्रत्येक निकाय को अपना अद्यतन डेटाबेस भी तैयार करना होगा, ताकि भविष्य में इनके अनुपालन की निगरानी की जा सके। यानी अब पहली बार राज्य के बड़े कचरा उत्पादकों का एक केंद्रीकृत डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद बढ़ी सख्ती

यह पूरी प्रक्रिया केंद्र सरकार के नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन का हिस्सा है। अदालत ने राज्यों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने एक जून से ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया और अब छत्तीसगढ़ सरकार ने एक जुलाई से इसका अनुपालन अनिवार्य कर दिया है।

नगर निकायों की भी बढ़ेगी जवाबदेही

नए आदेश का असर केवल होटल, अस्पताल और बड़े संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगा। नगर निगम और नगर पालिकाओं को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके क्षेत्र का कोई भी बल्क वेस्ट जनरेटर बिना पंजीयन के न रहे। यदि पंजीयन नहीं होता है या नियमों का पालन नहीं किया जाता, तो संबंधित संस्थान के साथ-साथ निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ सकते हैं।

कचरा प्रबंधन में नया दौर

जानकारों का मानना है कि यह व्यवस्था लागू होने के बाद शहरों में ठोस कचरा प्रबंधन की जिम्मेदारी केवल नगर निकायों की नहीं रहेगी। अब बड़े कचरा उत्पादकों को भी अपने कचरे का हिसाब देना होगा। दूसरे शब्दों में कहें तो छत्तीसगढ़ में कचरा पैदा करो और भूल जाओ का दौर समाप्त करने की दिशा में सरकार ने एक और कदम बढ़ा दिया है।

खबर संक्षेप

डिप्टी सीएम शर्मा ने किया कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में जनसमस्याओं के निवारण और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद के लिए संचालित 'सहयोग केन्द्र' की नियमित कड़ी में बुधवार को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा पहुंचे। उन्होंने प्रदेशभर से आए हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं, शिकायतों और सुझावों को सुना तथा उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सहयोग केंद्र में बुधवार को 250 से अधिक आवेदन आए। साथ ही 1500 से अधिक कार्यकर्ता सहयोग केंद्र में पहुंचे। उप मुख्यमंत्री ने कहा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनता के प्रति पूरी तरह जवाबदेह है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कई मामलों में मौके पर ही मौजूद अधिकारियों और फोन के माध्यम से संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, कार्यालय मंत्री अशोक बजाज और सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानन्द उपासने मौजूद रहे।

रवि भगत ने भाजपा छोड़ी

रायपुर। भाजयुमो के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने पार्टी छोड़ने की घोषणा की है। उन्होंने भाजयुमो के राजपुर मंडल अध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेजा है। इसके साथ ही उन्होंने निजी कारणों का हवाला देते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। श्री भगत को भाजयुमो की राजनीति में प्रभावशाली माना जाता रहा है। हालांकि इस्तीफे में उन्होंने निजी कारणों का हवाला दिया है, लेकिन पिछले कुछ महीनों से पार्टी से उनकी असहमति नजर आ रही थी। उन्होंने सार्वजनिक मंचों से पार्टी की आलोचना भरे बयान दिए थे। माना जा रहा है कि इसके बाद से ही वे पार्टी के निशाने पर आ गए थे।

सुशासन से लेकर तकनीकी नवाचार पर होगा मंथन

आईआईएम में 4-5 को चिंतन शिविर, सीएम साय सहित शामिल होगा पूरा मंत्रिमंडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित पूरा मंत्रिमंडल 4-5 तारीख को नवा रायपुर स्थित आईआईएम में आयोजित चिंतन शिविर में शामिल होगा। बताया गया है कि इस शिविर में देश के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ मंत्रियों के साथ संवाद करेंगे। इनमें प्रशासनिक प्रबंधन, सुशासन, सार्वजनिक नीति, तकनीकी नवाचार, जनसेवा और विकास प्रशासन जैसे विषय शामिल होंगे। सरकारी योजनाओं की समीक्षा और प्रशासनिक बैठकों से आगे बढ़ते हुए छत्तीसगढ़ सरकार अब अपनी कार्यप्रणाली को नए दौर की जरूरतों के अनुरूप ढालने की तैयारी में है। सरकार इसे केवल एक औपचारिक बैठक के रूप में नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की कार्य संस्कृति में सुधार और निर्णय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की पहल के तौर पर देख रही है। बदलते प्रशासनिक और तकनीकी परिवेश में मंत्रियों को आधुनिक प्रबंधन, नीति निर्माण और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली से जोड़ने पर इस बार विशेष जोर रहेगा।

सुशासन, तकनीक आधारित प्रशासन तक होगी चर्चा

सूत्रों के मुताबिक शिविर में देश के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ मंत्रियों के साथ संवाद करेंगे। इनमें प्रशासनिक प्रबंधन, सुशासन, सार्वजनिक नीति, तकनीकी नवाचार, जनसेवा और विकास प्रशासन जैसे विषय शामिल होंगे। चर्चा का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी होगा कि शासन व्यवस्था को किस तरह अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीक आधारित बनाया जाए। डिजिटल प्रशासन, सेवा वितरण की दक्षता और योजनाओं की निगरानी के आधुनिक तरीकों पर भी विचार-विमर्श होने की संभावना है।

मंत्रियों को मिलेगा नेतृत्व और प्रबंधन का प्रशिक्षण

शिविर का फोकस केवल नीतिगत चर्चा तक सीमित नहीं रहेगा। मंत्रियों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने, प्रभावी निर्णय लेने, योजनाओं की निगरानी और परिणाम आधारित कार्य संस्कृति से जुड़े पहलुओं पर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। जानकारों का मानना है कि राजनीतिक नेतृत्व और प्रशासनिक दक्षता के बीच बेहतर तालमेल से योजनाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाई जा सकती है। यही वजह है कि विभागीय कार्यों की निगरानी और लक्ष्य आधारित प्रशासनिक मॉडल पर भी विशेष सत्र आयोजित किए जाने की तैयारी है। इससे पहले आईआईएम में दो बार यह शिविर हो चुका है।

विभागों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर

राज्य सरकार लंबे समय से विभागों के बीच समन्वय को बेहतर बनाने पर जोर देती रही है। चिंतन शिविर में भी यह एक प्रमुख विषय रहेगा। विभिन्न विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं, आपसी समन्वय की चुनौतियों और प्रशासनिक सुधारों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। विकास योजनाओं की सफलता केवल बजट और घोषणाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में यह शिविर प्रशासनिक तंत्र की कार्यक्षमता बढ़ाने का मंच बन सकता है।

सरकार की आगामी प्राथमिकताओं की भी होगी समीक्षा

सूत्रों के अनुसार सरकार इस अवसर का उपयोग आने वाले वर्षों की विकास रणनीति पर विचार करने के लिए भी कर सकती है। विभिन्न विभागों की उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की कार्य योजनाओं की समीक्षा होने की संभावना है। इसे सरकार के लिए एक ऐसे मंच के रूप में देखा जा रहा है जहां वर्तमान कार्यों का आकलन करने के साथ-साथ भविष्य की प्राथमिकताओं को भी स्पष्ट किया जाएगा। इससे सरकार की विकास संबंधी सोच और कार्ययोजना को एक साझा दिशा मिलने की उम्मीद है।

मंत्रियों के लिए उपयोगी जनता को भी लाभ मिलेगा

ये लगातार तीसरा साल है जब आईआईएम में सभी मंत्रियों के लिए इस चिंतन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। ये सभी मंत्रियों के लिए उपयोगी होगा। कार्य संपादन से लेकर विभिन्न विषयों की जानकारी यहां विषय विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी। हम सब इससे लाभान्वित होंगे और यह प्रदेश की जनता के लिए भी उपयोगी होगा।

- अरुण साव
उपमुख्यमंत्री

बैज ने कहा- नकटी पर कांग्रेस आक्रामक बेघरों को न्याय नहीं मिला तो जाएंगे कोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नकटी गांव में बुलडोजर कार्रवाई को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार पर गरीब, आदिवासी और वंचित परिवारों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या गरीबों के आशियाने उजाड़कर विधायकों, अफसरों और प्रभावशाली लोगों के लिए आवास बनाए जाएंगे? उन्होंने मांग की कि पूरे इलाके का निष्पक्ष सीमांकन कराया जाए और यह सार्वजनिक किया जाए कि आसपास की जमीन पर किसका कब्जा है। कांग्रेस ने सरकार से माफी, मुआवजा और पुनर्वास की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि अगर न्याय नहीं मिला, तो मामला अदालत से लेकर विधानसभा तक गूंजेगा। दीपक बैज ने कहा, नकटी गांव में 85 मकानों पर बुलडोजर चलाया गया, जिनमें करीब 25 मकान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने थे। उन्होंने इसे अमानवीय, अनैतिक और गैरकानूनी कार्रवाई बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार गरीबों के घर तोड़कर आईएएस, आईपीएस, अधिकारियों और विधायकों के लिए आवास बनाना चाहती है। दीपक बैज ने कहा कि जिन परिवारों के घर तोड़े गए, उन्हें बिना पर्याप्त व्यवस्था के ईडब्ल्यूएस फ्लैटों में भेजा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां बिजली, पानी, पंखा और खिड़की जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। उन्होंने मंत्री को चुनौती देते हुए कहा, वे दो घंटे उन फ्लैटों में रहकर देखें और बताएं कि चौथी मंजिल पर बुजुर्ग और छोटे बच्चे कैसे रहेंगे।

- योजना पर हमें कोई आपत्ति नहीं, हम बस चाहते हैं कि गरीबों के आशियाने जमींदोज न किए जाएं

जब विधायक ही नहीं चाहते आवास तो फिर गरीबों पर बुलडोजर क्यों?

पीसीसी अध्यक्ष ने कहा, आदिवासी विधायक जनक ध्रुव, विधायक चातुरी नंद, विधायक कविता प्राण लहरे और विद्यावती सिदार ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि उन्हें गरीबों के घर तोड़कर बनने वाला विधायक आवास नहीं चाहिए। बैज ने चारों विधायकों को धन्यवाद देते हुए सभी विधायकों से ऐसे आवास का बहिष्कार करने की अपील की। कांग्रेस ने मांग की कि सरकार अपनी गलती स्वीकार करे, पीड़ित परिवारों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे, प्रभावितों को उसी स्थान पर जमीन देकर बसाए और उनके नुकसान की भरपाई करे। साथ ही यह भी स्पष्ट करे कि जिनके प्रधानमंत्री आवास और इंदिरा आवास तोड़े गए हैं, क्या उन्हें दोबारा इन योजनाओं का लाभ मिलेगा।

भाजपा सांसद-विधायक ने गुमराह किया

दीपक बैज ने सवाल उठाया कि सांसद बृजमोहन अग्रवाल और विधायक अनुज शर्मा अंतिम समय तक लोगों को मकान नहीं टूटने का भरोसा दिलाते रहे। ऐसे में क्या सरकार ने अपने ही जनप्रतिनिधियों को गुमराह किया, या फिर लोगों को झूठा आश्वासन देने के पीछे कोई सुनियोजित रणनीति थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने यह कार्रवाई भाजपा से जुड़े लोगों और कुछ उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से की है। उन्होंने मांग की कि पूरे इलाके का निष्पक्ष सीमांकन कराया जाए और यह सार्वजनिक किया जाए कि आसपास की जमीन पर किसका कब्जा है।

अब मंत्रालय की तर्ज पर नगरीय निकायों से लेकर ग्राम पंचायत से खत्म होगी लाल फीताशाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में जिस तरह मंत्रालय, विभागाध्यक्ष कार्यालय, सचिव से लेकर कलेक्टर कार्यालयों में ई आफिस का संचालन कर लाल फीताशाही खत्म की गई है, वैसा ही बदलाव अब राज्य के सभी नगरीय निकायों से लेकर पंचायती राज संस्थाओं में किया जाएगा। इसके लिए राज्य के सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में काम करने वाले जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के लिए सीजी ऑथ आईडी बनाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके बिना ई-ऑफिस प्रणाली में फाइलों का संचालन और डिजिटल अनुमोदन संभव नहीं होगा।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इस संबंध में सभी नगरीय निकायों को निर्देश जारी कर दिए हैं। दरअसल, यह केवल एक आईडी बनाने का आदेश नहीं है, बल्कि राज्य सरकार के उस बड़े अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत सरकारी कार्यालयों में कागजी फाइलों की जगह पूरी तरह डिजिटल फाइल प्रणाली लागू की जा रही है।

क्या है सीजी ऑथ आईडी

सीजी ऑथ राज्य सरकार की केंद्रीकृत डिजिटल प्रमाणीकरण प्रणाली है। यह सरकारी अधिकारियों और अधिकृत जनप्रतिनिधियों की डिजिटल पहचान का काम करती है। इसी आईडी के माध्यम से अधिकारी ई-ऑफिस में लॉग-इन करते हैं, फाइलें देखते हैं, टिप्पणियां दर्ज करते हैं और डिजिटल रूप से अनुमोदन देते हैं। सरकार का उद्देश्य है कि सभी अधिकृत अधिकारी और जनप्रतिनिधि एक सुरक्षित डिजिटल पहचान के माध्यम से सरकारी कामकाज करें, जिससे पारदर्शिता बढ़े और जवाबदेही तय हो सके।

इनकी बनाई जाएगी नई आईडी

निर्देश के अनुसार नगरीय निकायों में नगर निगम के महापौर, आयुक्त, सभापति तथा आवश्यकता अनुसार अन्य अधिकारी-कर्मचारी।ज नि पार्षदों को शासकीय ई-मेल की आवश्यकता है। नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा संबंधित कर्मचारी। नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका अधिकारी और अन्य अधिकृत कर्मचारी।

सरपंच से लेकर पटवारी तक की आईडी

सरकार ने यह व्यवस्था केवल शहरी निकायों तक सीमित नहीं रखी है। आदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और राजस्व विभाग को भी शामिल किया गया है।इसके तहत जिला पंचायत अध्यक्ष, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत अध्यक्ष, ग्राम पंचायतों के सरपंच और सचिवों के अलावा तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारियों तक को ई-ऑफिस प्रणाली से जोड़ा जाएगा।

नगरीय निकायों को महापौर, अध्यक्ष और पार्षद निधि के 104.54 करोड़ जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगर निगमों में महापौर निधि, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में अध्यक्ष निधि तथा तीनों तरह के निकायों में पार्षद निधि के रूप में 104 करोड़ 54 लाख 25 हजार रुपए जारी किए हैं।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने नगरीय निकायों को ये राशि जारी कर दी है। श्री साव ने नगरीय निकायों को इन निधियों का सदुपयोग करते हुए राज्य की शहरी आबादी तक योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। इस राशि से निकायों में मूलभूत विकास के कार्य किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव के निर्देश पर चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नगर निगमों में महापौर निधि तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में अध्यक्ष निधि की 50-50 प्रतिशत राशि की प्रथम किस्त के रूप में कुल 31 करोड़ 16 लाख 25 हजार रुपए जारी किए गए हैं। तीनों तरह की नगरीय निकायों में पार्षद निधि के रूप में कुल 73 करोड़ 38 लाख रुपए भी जारी किए गए हैं।

विभाग द्वारा 14 नगर निगमों में महापौर निधि के 10 करोड़ 12 लाख 50 हजार रुपए, 57 नगर पालिकाओं में अध्यक्ष निधि के 11 करोड़ 6 लाख 25 हजार रुपए तथा 121 नगर पंचायतों में अध्यक्ष निधि के 9 करोड़ 97 लाख 50 हजार रुपए जारी किए गए हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने ली विभाग की समीक्षा बैठक

700 प्राध्यापकों की भर्ती को मिली हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य में उच्च शिक्षा व्यवस्था के कायाकल्प और युवाओं को रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है।

- प्राचार्य के पदों पर जल्द होगी पदोन्नति

राज्य के उच्च शिक्षा विभाग को नया कलेवर देने और सालों से अटके प्रशासनिक मामलों को सुलझाने के लिए आज उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा की अध्यक्षता में मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठक में अहम फैसला लेते हुए मंत्री टंक राम वर्मा ने सहायक प्राध्यापक के 700 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की हरी झंडी दे दी है। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी है कि इस पूरी प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर कोई रुकावट या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

साथ ही, विभाग के अन्य खाली पदों को भरने के लिए भी शासन को तत्काल नया प्रस्ताव भेजने कहा है। सीजीपीएससी के माध्यम से होने वाली प्राध्यापकों की सीधी भर्ती के दस्तावेज सत्यापन कार्य को भी अब युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाया जाएगा।

'31 तक हर हाल में दें स्नातक कॉलेजों को नए प्राचार्य'

महाविद्यालयों में प्रशासनिक कसावट लाने के लिए उच्च शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों की जमकर क्लास ली। उन्होंने कड़े लहजे में निर्देश दिया कि 31 जुलाई तक स्नातक प्राचार्यों की पदोन्नति का काम हर हाल में पूरा हो जाना चाहिए। नए शिक्षा सत्र में छत्तीसगढ़ का कोई भी स्नातक कॉलेज बिना नियमित प्राचार्य के नहीं रहेगा, क्योंकि वर्तमान सरकार के एजेंडे में शिक्षा की गुणवत्ता सबसे ऊपर है।

पदोन्नति का रास्ता साफ कर्मचारियों और अतिथि प्राध्यापकों की सुनी गई मांग

प्राध्यापकों और विभागीय कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए बैठक में कई संवेदनशील निर्णय लिए गए। पुराने नियम से मिलेगी तरक्की साल 2019 से पहले के बचे हुए सहायक प्राध्यापकों को 1990 के नियमों के तहत ही प्राध्यापक पद पर प्रमोट किया जाएगा, जिससे उनकी वरिष्ठता सुरक्षित रहेगी। सहायक प्राध्यापकों के वरिष्ठ और प्रवर श्रेणी वेतनमान की सूचियां लगभग तैयार हैं, जिन्हें जल्द ही जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। लंबे समय से संघर्षरत अतिथि प्राध्यापकों की जायज मांगों को ध्यान में रखते हुए, उनकी सेवा शर्तों में सुधार के लिए बनाई गई कमेटी की रिपोर्ट पर सरकार तुरंत एक्शन लेने जा रही है। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सहायक ग्रेड-3 और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर नियुक्तियां अब 'राज्य कर्मचारी चयन आयोग' के माध्यम से की जाएंगी।

प्रधानमंत्री आवास प्लस 2.0 की सूची में पात्रों की उपेक्षा, अपात्र लाभान्वित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) आवास प्लस 2.0 के तहत जारी हितग्राही सूची के बाद दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए जनपद पंचायत कार्यालय में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ रही है। चार दिन के शासकीय अवकाश के बाद कार्यालय खुलते ही सुबह से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए। दावा-आपत्ति आवेदन जमा करने के लिए लोगों की लंबी कतारें लगी रहीं और कई ग्रामीण घंटों तक तेज धूप में अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए।

ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना आवास प्लस 2.0 की अंतिम हितग्राही सूची का वाचन किया गया। सूची सार्वजनिक होते ही कई पंचायतों में ग्रामीणों ने आपत्ति दर्ज कराई। पात्रता निर्धारण और सर्वे प्रक्रिया को लेकर सवाल उठने लगे हैं, जिससे कई स्थानों पर विवाद और हंगामे जैसी स्थिति भी देखने को मिली। ग्रामीणों का आरोप है कि जिन परिवारों के कच्चे मकानों का सर्वे किया गया था और जिन्हें योजना का लाभ मिलने की उम्मीद थी, उनके नाम अंतिम सूची से बाहर कर दिए गए। वहीं कुछ ऐसे लोगों के नाम सूची में शामिल होने का दावा किया जा रहा है, जिनके पास पहले से पक्का मकान है। इससे सर्वे और पात्रता निर्धारण की प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं ग्राम सभाओं के दौरान ग्रामीणों ने अपनी आपत्तियां दर्ज कराते हुए सूची की निष्पक्ष जांच, पुनः सत्यापन और पात्रता की दोबारा समीक्षा की मांग की। उनका कहना है कि यदि वास्तविक पात्र परिवारों को योजना का लाभ नहीं मिलेगा और अपात्र लोगों को शामिल किया जाएगा, तो प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य प्रभावित होगा।

दावा-आपत्ति दर्ज कराने जनपद कार्यालय में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी : सीईओ

सीईओ दीपक ठाकुर ने कहा कि पीएम आवास प्लस 2.0 की सूची का वाचन कर अपात्र व्यक्तियो को चिन्हित करना था,अगर अपात्र व्यक्तियो को लाभ मिल रहा है इसकी शिकायत मिलन पर संबंधित कर्मचारियो पर कार्यवाही की जायेगी।

गरीबों की सुनवाई नहीं हुई

आवेदन जमा करने आये ग्रामीण महिलाये ममता साहू,मंजू साहू थनौद,गीता डहरिया नायकबांधा,चित्ररेखा,चन्द्रकला साहूआमनेर,उमा बाई,यशोदा साहू ,डिगेश्वरी निषाद दुलना,फुलेश्वरी साहू भोथीडीह,मोतिम बाई साहू डोमा,कौशिल्या साहू,भगवती साहू,लुकेश्वरी साहू,बिसवंतीन साहू हसदा ने अपने कच्चे मकान की फोटो दिखाते कहा कि ग्राम सभा मे गरीबो की कोई सुनवाई नही हुई तथा संपन्न परिवार जिनके पास पक्का मकान,चारपहिया वाहन,पर्याप्त खेती आदि संसाधन है फिर भी उनका नाम आवास योजना मे शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य बेघर एवं कच्चे मकानों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है। ऐसे में पात्र लोगों के नाम छूटना और अपात्र लोगों के नाम शामिल होना पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। विकासखंड के सभी गांवो से इसी प्रकार की शिकायतें सामने आ रही हैं।

खबर संक्षेप

शुक्ला के जन्मदिन पर लिया पर्यावरण संरक्षण के संकल्प

कूंरा। छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला का जन्मदिन धरसींवा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों द्वारा उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सभी ने अंजय शुक्ला को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। जन्मदिन समारोह के दौरान कार्यकर्ताओं ने केक काटकर खुशियां साझा कीं और एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। कार्यक्रम में धरसींवा विधायक श्री अनुज शर्मा, गोविंदा साहू अध्यक्ष नगर पंचायत कुरा,चंद्राकला वर्मा अध्यक्ष तिल्दा नगर पालिका, सौरभ बाल दासगुरु जिला पंचायत सदस्य, अरविन्द ठाकुर अध्यक्ष सरपंच संघ, अनिल सोनी नगर पंचायत अध्यक्ष खरोरा. रश्मि वर्मा जिला पंचायत सदस्य , सविता चंद्रकार,शकुंतला सेन जनपद अध्यक्ष ,स्वाति वर्मा जिला पंचायत सदस्य,रूखमणी शिवारे,अनुपमा वर्मा उपस्थिति रही।

गरीबों के आशियानों को तोड़ना अमानवीय कार्य

चंदखुरी। आम आदमी पार्टी के नेता परमानंद जांगड़े ने रायपुर जिले के नकटी-सम्मानपुर में हुई बुलडोजर कार्रवाई को भाजपा सरकार के कार्यकाल की सबसे अमानवीय घटना करार दिया है।

तड़के करीब 4 बजे लगभग 1000 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में 48 गरीब एवं मजदूर परिवारों के मकानों को ध्वस्त कर दिया गया। परमानंद जांगड़े ने कहा, "बुलडोजर से केवल मकान नहीं टूटे, इंसानियत भी मलबे में दब गई।" उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई तब की गई जब कई परिवार गहरी नींद में थे, चूल्हे पर भोजन बन रहा था और मासूम बच्चे तथा बुजुर्ग घरों में मौजूद थे। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को बाहर निकालकर उनके आशियाने जमींदोज कर दिए गए।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रशिक्षण संगोष्ठी आज

तिल्दा-नेवरा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, जिला रायपुर ग्रामीण के तत्वावधान में गुरुवार को पंडित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर डिजिटल प्रशिक्षण एवं संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे भाजपा कार्यालय, तिल्दा में आयोजित होगा, जिसमें महिला कार्यकर्ताओं को संगठन की डिजिटल गतिविधियों और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। संगोष्ठी का उद्देश्य डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों एवं उनके बलिदान को स्मरण करते हुए महिला कार्यकर्ताओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है, ताकि संगठन को बूथ स्तर तक डिजिटल रूप से और अधिक मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम में अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती चन्द्रकांती वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगी। वहीं भाजपा महिला मोर्चा रायपुर ग्रामीण की प्रभारी श्रीमती प्रीति परगनिहा, सह प्रभारी श्रीमती रेखा सोनकर तथा कार्यक्रम संयोजक श्रीमती भारती बागल महिला कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगी।

धरसींवा में विधायक अनुज शर्मा ने किया नवीन सोनोग्राफी मशीन का लोकार्पण

चिकित्सा दिवस पर किया डाक्टरों और कर्मियों का शाल व श्रीफल से सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

क्षेत्रवासियों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनुज शर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरसींवा में आयोजित 'जीवनदीप समिति' की विशेष बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की और क्षेत्र की जनता को बड़ी सौगात देते हुए शारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड के सौजन्य से नवीन सोनोग्राफी मशीन का लोकार्पण किया। इस नई तकनीक और सुविधा के शुरू होने से अब स्थानीय मरीजों, विशेषकर गर्भवती माताओं और बहनों को छोटी-छोटी जांचों के लिए शहर की तरफ नहीं भागना पड़ेगा और उन्हें स्थानीय स्तर पर ही त्वरित इलाज मिल सकेगा।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के गरिमामय अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में विधायक अनुज शर्मा ने अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे सभी समर्पित डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मियों को शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विधायक ने कहा कि डॉक्टर इस धरती पर जीवन को बचाने और सहेजने का कार्य करते हैं, इसीलिए हमारी संस्कृति में उन्हें भगवान का रूप माना गया है। कोरोना काल से लेकर सामान्य दिनों तक डॉक्टरों का योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक और संसाधनों के मामले में क्षेत्र को मजबूत किया जा रहा है, लेकिन असली साधना डॉक्टरों की है जो इन साधनों के माध्यम से लोगों की जान बचाते हैं। हमारा संकल्प धरसींवा को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक आदर्श क्षेत्र बनाना है ताकि कोई भी गरीब इलाज से वंचित न रहे।

बैठक और लोकार्पण के पश्चात विधायक ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने वहां उपचाराधीन मरीजों से आत्मीय मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का कुशलक्षेम जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए फलों का वितरण किया। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल प्रशासन को सख्त निर्देश दिए कि मरीजों के इलाज, देखभाल और दवाइयों की उपलब्धता में किसी भी प्रकार की कोताही या कमी न बरती जाए। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विधायक ने चिकित्सकों के साथ मिलकर अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

इनकी रही उपस्थिति : जिला पंचायत सदस्य सविता चंद्राकर, सरोज चन्द्रवंशी, शारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड के मानव संसाधन श्री विवेक चौधरी, के के वर्मा, खंड चिकित्सा अधिकारी श्री विकास तिवारी,सरपंच साहिल खान,पूर्व सरपंच हेमन्त वर्मा,पूर्व सरपंच रेमन पाल सहित अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टर्स, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

आरंग में राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर डॉक्टरों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपनी 5 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को निभाते हुए /"राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे/" के पावन अवसर पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आरंग के सभा कक्ष में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में क्षेत्र के तमाम चिकित्सा अधिकारियों, विशेषज्ञों और आरबीएसके के डॉक्टरों को उनकी उत्कृष्ट और निस्वार्थ सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय लक्ष्मी अनंत थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ (रायपुर) के जिलाध्यक्ष श्री एस.आर. नौरंगे ने की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंद्रवंशी, डॉ. नंदलाल भुवार्य, डॉ. आनंदी टोप्पो, डॉ. रामनारायण दास, डॉ. अनामिका कुर्रे, डॉ. सागर स्वर्णकार, डॉ. स्वप्निल चंद्राकर, डॉ. नितिन चंद्राकर, डॉ. विभा मिश्रा, डॉ. राहुल चोपड़ा, डॉ. प्रज्ञा लोधी, डॉ. कंचन, डॉ. देवेंद्र बंजारे, डॉ. भूपेश गेंढ़े, डॉ. शिल्पा कटारिया, डॉ. शोभा निषाद सहित आरंग के सभी चिकित्सकगण उपस्थित रहे। कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने सभी डॉक्टरों को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। तत्पश्चात केक काटकर कार्यक्रम का उत्सव मनाया गया।

इस पूरे गरिमामय आयोजन को सफल बनाने में छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ (आरंग) की ब्लॉक अध्यक्ष सुष्मिता मसीह और आरंग ब्लॉक के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में सुश्री सुष्मिता मसीह ने उपस्थित सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन नवीन नागतोड़े ने किया। इस अवसर पर बीपीएम दीपक मिरे, महेश चंद्राकर, प्रांतीय सदस्य अरविंद चंद्राकर, संभागीय संयोजक पर्यवेक्षक प्रकोष्ठ हरिशंकर ध्रुव, जिला संयोजक ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक अस्वन टंडन, जिला सचिव नूतन टंडन, रमा झा, प्रांतीय सदस्य सीएचओ पायल वर्मा, ब्लॉक उपाध्यक्ष सुमन साहू, बेदराम चतुर्वेदी, देवेंद्र मनहरे, दिलीप सिंह, ब्लॉक सचिव हितेंद्र साहू उपस्थित थे।

सड़क हादसे में बच्ची की मौके पर मौत लाश रखकर परिजनों ने किया हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कूंरा

- मढ़ी में पिकअप की टक्कर से मासूम की मौत, वाहन जब्त

धरसींवा थाना क्षेत्र के मढ़ी गांव में बुधवार को पिकअप वाहन ने एक डेढ़ साल की मासूम बच्ची को ठोकर मार दी। टक्कर के बाद बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। इधर, घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनकी मांग थी कि-गाड़ी मालिक को बुलाओ, तभी लाश उठाने देंगे। लगभग दो घंटे तक भारी हंगामा चलता रहा। पुलिस परिजनों को समझाने की कोशिश करते रहे, बावजूद परिजन मानने को तैयार ही नहीं हो रहे थे। बाद में किसी तरह पुलिस ने समझाबुझाकर माहौल शांत कराया। जिसके बाद पंचनामा कार्रवाई कर लाश पोस्टमार्टम के भेजा।

बता दें कि यह घटना लगभग सुबह 10 बजे की बताई जा रही है। जब मासूम बच्ची बाजार चौक के पास स्थित आंगनबाड़ी से निकलकर आ रही थी तभी पिकअप वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए बच्ची को ठोकर मार दिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद लोगों की भीड़ लग गई। परिजन भी मौके पर पहुंचे। इसी

बीच भीड़ गुस्से में तब्दील हो गई और परिजनों ने लाश उठाकर सीधे घर ले गए। फिर घर के बाहर भारी हंगामा करते रहे। पुलिस के समझाने के बावजूद परिजन लाश देने के लिए तैयार ही नहीं हुए। परिजनों का कहना था कि, हमें किसी तरह की मुआवजा नहीं चाहिए, सिर्फ़ गाड़ी मालिक को यहां बुला दो। उसके बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करते रहे। बताया जा रहा है कि, जैसे ही घटना हुई उसके बाद वाहन को पुलिस ने सीधे थाना भेज दिया। चूंकि मढ़ी में बुधवार को ही एक शासकीय जमीन का सीमांकन होना था इसलिए वहां सुबह नौ बजे से ही भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती हो गई थी। इसी बीच यह घटना घट गई। जैसे ही सूचना मिली पुलिस दलबल के साथ पांच मिनट में घटनास्थल पहुंच मोर्चा संभाल लिया। अन्यथा भीड़ और भी उग्र हो सकती थी। परिजनों ने बताया कि, मृतका डेढ़ साल की मासूम बच्ची चाहत नेताम पिता अनिल नेताम खौना की निवासी है और मढ़ी अपने मामा गांव आई थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक बच्ची आंगनबाड़ी से निकलकर आ रही थी तभी एक पिकअप वाहन ने बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इधर, घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन किसी भी शर्त पर लाश उठाने नहीं दे रहे थे। रोते हुए परिजन गाड़ी वाले को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। घटना के बाद धरसींवा थाना प्रभारी राजेन्द्र दीवान, सिलयारी चौकी प्रभारी सुशील वर्मा किसी तरह परिजनों को समझाकर माहौल शांत कराया तब कहीं जाकर परिजन लाश उठाने दिए। करीब 2 घंटे तक गहमागहमी रही। आखिरकार वरिष्ठ अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिजन माने। फिर पुलिस ने पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इधर, पुलिस ने पिकअप वाहन को जब्त कर ली है। चालक और गाड़ी मालिक की जानकारी जुटाकर आगे की जांच शुरू कर दी है। इधर, घटना के बाद शिक्षा मंदिरों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। बिलखते परिजनों ने गांव के उप-स्वास्थ्य केन्द्र को लेकर भी सिस्टम को कटघरे में खड़े कर दिया। आरोप है कि, यहां नियमित रूप से डॉंक्टर नहीं आते और न ही यहां किसी भी प्रकार की कोई सुविधा उपलब्ध है। अचानक कोई दुर्घटना हो जाए तो यहां कोई शासकीय स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं है।

आरंग-रायपुर मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

आरंग। आरंग-रायपुर मुख्य मार्ग पर बुधवार सुबह करीब 8 बजे रसनी पेट्रोल पंप के पास हुए एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक वाहन सहित फरार हो गया। आरंग पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार युवक मोटरसाइकिल क्रमांक यूपी 65-ईई-0562 से रायपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान रसनी पेट्रोल पंप के समीप किसी वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही आरंग पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक पंचनामा कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मरचुरी भिजवाया। पुलिस ने मृतक के मोबाइल नंबर के आधार पर उसके परिजनों को हादसे की सूचना दी, जिसके बाद परिवार के सदस्य भी घटनास्थल पहुंच गए। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान आशीष यादव (31 वर्ष), पिता राधेश्याम यादव, निवासी लखनऊ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। वह वर्तमान में रायपुर में रह रहा था।फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है

पीएम आवास योजना में पात्रों की उपेक्षा :कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंदखुरी

प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभार्थी सूची को लेकर चंदखुरी क्षेत्र में विवाद तेज हो गया है। पात्र एवं आवासहीन परिवारों के नाम सूची से बाहर किए जाने के आरोपों के बीच कांग्रेस ने राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन पर गरीबों के अधिकारों के साथ खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया है।

कांग्रेस मंडल अध्यक्ष चंदखुरी अनिल टंडन ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीबों, मजदूरों, भूमिहीनों और आवासहीन परिवारों के सपनों को पक्का घर देने के लिए शुरू की गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक उलट है। कई वास्तविक जरूरतमंद परिवार आज भी कच्चे मकानों या किराए के घरों में रहने को मजबूर हैं, जबकि अपात्रों या सिफारिशी लोगों को लाभ मिलने के आरोप लग रहे हैं।

गरीबों के सपनों के साथ खिलवाड़

अनिल टंडन ने कहा, "सरकार गरीब कल्याण के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन गांवों में स्थिति कुछ और ही है। पात्र हितग्राहियों को दरकिनार करना गरीब परिवारों की भावनाओं और उनके भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है।" उन्होंने आवास योजना में किसी भी प्रकार की अनियमितता या पक्षपात बर्दाश्त न किए जाने की चेतावनी दी। टंडन ने मांग की कि संपूर्ण लाभार्थी सूची का तत्काल पुनः सत्यापन कराया जाए, ग्राम सभा के माध्यम से पात्रता की खुली जांच हो और जिन पात्र परिवारों का नाम अनुचित तरीके से बाहर किया गया है, उन्हें तुरंत योजना का लाभ प्रदान किया जाए।

ड्रोन तक्नीक से कृषि कार्यों ने सहुलियत होगी

गोढ़ी में ड्रोन से दवाई छिड़काव के डेमो को देखा सैकड़ों किसान ने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

सहकारिता आंदोलन के तहत कृषि को हाई-टेक बनाने की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाई गई है। सहकारिता सप्ताह के उपलक्ष्य में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित गोढ़ी (प.क्र. 656) द्वारा खेतों में ड्रोन के जरिए दवाई छिड़काव का एक भव्य और प्रभावी प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आधुनिक तकनीक को अपनी आंखों से देखने और कृषि के इस नए युग को समझने के लिए कार्यक्रम में सहकारिता जगत के दिग्गजों और प्रशासनिक अधिकारियों सहित सैकड़ों की संख्या में प्रगतिशील किसान पहुंचे। इस गरिमामयी और तकनीकी उत्सव में सहकारिता के वरिष्ठ नेता शशिकांत द्विवेदी, मार्कफेड अध्यक्ष, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर के उपाध्यक्ष अभिनेष कश्यप, सहकार भारती के

वरिष्ठ सदस्य लक्ष्मीकांत द्विवेदी सहित सहकारिता विभाग रायपुर के उप पंजीयक एवं सहायक पंजीयक विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि ड्रोन तकनीक आने वाले समय में खेती की लागत को कम करने और किसानों की आय दोगुनी करने में मील का पत्थर साबित होगी। गोढ़ी समिति के अध्यक्ष दिलीप बैंस और सीएससी से पहुंचे सुरेंद्र कुमार दास ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और किसानों को इस तकनीक की बारीकियां समझाईं। ड्रोन द्वारा आसमान से खेतों में कीटनाशक के सटीक और तीव्र छिड़काव को देखकर वहां मौजूद किसान अचंभित और उत्साहित नजर आए। इस अनोखे और प्रेरणादायक प्रदर्शन के साक्षी बनने वालों में क्षेत्र के प्रमुख कृषक कुलेश्वर बैंस, हीरादास वैष्णव, केशो वर्मा, रामकुमार बैंस, दीनदयाल बैंस, बिरझू बैंस, केवल यादव, तोरण बैंस, लोकू धीवर और राजेश वर्मा सहित बहुत अधिक संख्या में अंचल के किसान शामिल थे। उपस्थित जनसमुदाय और किसानों के भारी उत्साह को देखते हुए समिति अध्यक्ष दिलीप बैंस ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से किसानों तक ऐसी आधुनिक मशीनें पहुंचाना ही हमारा मुख्य लक्ष्य है, ताकि खेती को मुनाफे का सौदा बनाया जा सके तथा किसानों की बेहतर सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। समिति अध्यक्ष दिलीप बैंस एवं सीएससी के सुरेंद्र कुमार दास ने किसानों को ड्रोन की कार्यप्रणाली, संचालन एवं इसके व्यावहारिक लाभों की जानकारी दी। प्रदर्शन के दौरान ड्रोन ने खेतों में निर्धारित ऊंचाई से दवा का समान रूप से छिड़काव कर किसानों का ध्यान आकर्षित किया।

खबर संक्षेप

माना में चिकित्सकों का किया सम्मान

रायपुर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर स्वामी जन सेवा समिति एवं नगर पंचायत माना कैंप के ओर से माना सिविल हॉस्पिटल परिसर पर चिकित्सकों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चिकित्सक डॉक्टर बिधनचंद्र राय की तेल चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन करते हुए किया गया। इसी दौरान माना कैंप के समस्त चिकित्सकों को शाल, श्रीफल और स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से नपं के पूर्व अध्यक्ष श्यामा प्रसाद चक्रवर्ती, माना कैंप उपाध्यक्ष के एयु, पार्षद नंदलाल बर्मन, प्रदीप बीशवास, भाजपा माना मंडल के उपाध्यक्ष सौरभ आहूजा, विजय दास, तरूण राय, शक्ति मंडल, राम नंदी, विष्णु मंडल, राकेश प्रधान सहित नागरिक उपस्थित थे।

निधन

प्रमोद शर्मा

रायपुर। गोल चौक, रोहणीपुरम निवासी रिटायर्ड तहसीलदार प्रमोद शर्मा राखी वाले (64) का 30 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे सुनील शर्मा के छोटे भाई एवं कुमारी, अदिति और प्रियल शर्मा के पिता थे।

गुरदेव सिंह वालिया

रायपुर। उदया सोसाइटी टाटीबंध निवासी सरदार गुरदेव सिंह वालिया का 1 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 2 जुलाई को सुबह 11 बजे हीरापुर श्मशान घाट में किया जाएगा। वे सुरिंदर सिंह वालिया के भाई एवं हरजीत सिंह, बलजीत सिंह वालिया के पिता थे।

सड़क, गली में झाड़ू नहीं लगी, नालियों से कूड़ा निकालने नहीं आए कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम के सफाई ठेकेदारों की हड़ताल

रायपुर नगर निगम के 70 वार्डों में सड़क और गली में झाड़ू लगाने सफाई कर्मचारी बुधवार को काम पर नहीं आए, नालियों और शहर के मुक्कड़ों से कचरों के ढेर उठाने का काम भी ठप रहा। नगर के वार्डों की सफाई का ठेका लेने वाले सफाई ठेकेदारों की हड़ताल के कारण शहर में अव्यवस्था देखने को मिली। इधर सफाई ठेकेदारों का कहना है कि बकाया बिल का भुगतान नहीं होने से उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। महापौर मीनल चौबे, निगम आयुक्त संबित मिश्रा से लेकर नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी को भी सफाई ठेकेदार अपनी परेशानी बता चुके हैं। इसके बाद भी बकाया भुगतान नहीं होने से नगर निगम के सफाई ठेकेदारों ने काम ठप रख निगम प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया। विदित हो कि कुछ समय पूर्व रामकी के सफाई कर्मचारियों ने वेतनवृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर डोर टू डोर कचरा कलेक्शन बंद कर विरोध जताया था। इसके चलते शहर में लोगों के घरों से कचरा नहीं उठा।

शहर के वार्डों की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा है राजधानी में नगर निगम के सफाई कर्मचारी बुधवार को हड़ताल पर चले गए। पिछले दो माह में लगातार कभी सफाई कर्मचारी, कभी रामकी कंपनी के कर्मचारी हड़ताल पर यह क्या हो रहा है आम जनता के समझ से परे है। ट्रिपल इंजन की सरकार होते हुए सफाई की लचर स्थिति सुधर नहीं रही। आर्थिक रूप से तंगी में जूझ रहे रायपुर नगर निगम की परिषद और जिम्मेदार अधिकारी चाहते तो समय पर बकाया बिल का भुगतान हो जाता तो यह समस्या ही नहीं आती। एक तरफ निगम प्रशासन का पूरा फोकस आम जनता से टैक्स वसूली में है, दूसरी तरफ सफाई जैसी मूलभूत सुविधा को देने के मामले में निगम प्रशासन फिसड्डी साबित हो रहा है।

निगम की गाड़ियों में डीजल का टोटा, कार्य प्रभावित

नगर निगम के दस जोन स्थित 70 वार्डों में नाला सफाई, कचरा परिवहन, सफाई कार्य, पेयजल व्यवस्था सहित अन्य कार्यों के लिए निगम के पास 300 छोटे बड़े वाहन उपलब्ध हैं, पर इन दिनों निगम के कई गाड़ियां डीजल उपलब्ध नहीं होने से खड़ी हो गई है। इनमें जेसीबी, पोकलेन मशीन, ट्रैक्टर, टाटा एस सहित अन्य वाहन हैं। वार्ड पार्षदों का कहना है पूर्व में नगर निगम के वाहनों के लिए डीजल की व्यवस्था जोन स्तर पर की जाती थी, पर यह व्यवस्था निगम मुख्यालय स्तर पर केंद्रित हो गई है। यही नहीं गाड़ियों की मरम्मत कराने के बाद उसके भुगतान के लिए जोन में राशि उपलब्ध नहीं होने से मरम्मत के लिए दिए गए वाहन को गैरेज से लाने में देरी हो रही है। सूत्रों के मुताबिक जोन 4 के ब्राम्हणपारा वार्ड में लगाई गई गाड़ी 1 माह से रिपेयर के लिए गई है। मरम्मत के बाद भी गाड़ी को वापस लाने जोन के पास पैसे नहीं है। निगम प्रशासन ने हाल ही मे एक नई व्यवस्था लागू करते हुए 50 हजार से अधिक राशि के भुगतान को मुख्यालय से करने का आदेश किया है। पहले 4 लाख रुपए तक के बिल का भुगतान जोन स्तर पर होता था, तब यह स्थिति नहीं आती थी। अब हालत ये है जोन कमिश्नर अपने स्तर पर केवल 50 हजार तक के भुगतान को मंजूरी दे सकता है। निगम के आला अफसरों का तर्क है कि आडिट आपत्ति और भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता व वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने यह व्यवस्था लागू की गई है।

650 मीटर का नया नाला बनेगा, झागयुक्त दूषित पानी

चिंगरी नाला के गंदे पानी से खारुन को अभी राहत नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

निगम ने किया ऑनलाइन टेंडर, एजेंसी तय कर वर्कआर्डर में लगेगा महीना, नाला सुधार का काम बारिश के बाद

चिंगरी नाला के गंदे और बदबूदार झागयुक्त पानी से इस बार की बारिश में भी जीवनदायिनी खारुन नदी को राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे। रिंग फेस्ट मद से नगर निगम को 10.57 करोड़ रुपए की मंजूरी मिलने के बाद नगर निगम ने नाला सुधार के लिए बुधवार को ऑनलाइन टेंडर जारी कर दिया, पर निर्माण एजेंसी तय करने और उसे वर्कआर्डर जारी करने में महीनेभर और लगेगा, ऐसे में नाला सुधार का काम अब बारिश के बाद ही शुरू हो पाएगा। ऐसे हर बार की तरह इस बार भी तेज बारिश में नाले का गंदा पानी और प्लास्टिक वेस्ट पूरे वेग से ओवरफ्लो होकर नदी के जल को दूषित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। खारुन नदी में नाले का गंदा पानी न जाए, इसके लिए 650 मीटर के दायरे में नया नाला निर्माण, तकनीकी सुधार, वियर की ऊंचाई बढ़ाने के कार्य अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से कराया जाएगा। इसके साथ ही 10 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट लगाने की योजना है।

■ एक मुहाना पहले से, एक और मुहाना खोलेंगे

दरअसल, चिंगरी नाला का लाइनिंग व अप्रोच मार्ग नहीं होने से गाद और सफाई की समस्या रही है। वियर की कम ऊंचाई के वजह से नाले के बदबूदार गंदे पानी के साथ बड़ी मात्रा में प्लास्टिक डिस्पोजल, थर्माकोल सहित सालिड वेस्ट पिकप वियर के मुहाने में तेज बारिश होने से ओवरफ्लो होकर नदी के पानी को सीधे तौर पर दूषित करते हैं। इसके कारण नदी के पानी की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। यही नहीं, आसपास के रहवासी को भी गंदगी और दुर्गंध के साथ जल भराव की समस्या का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए रायपुर नगर निगम ने दिसंबर 2024 में डीपीआर तैयार कर शासन के पास स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा था।

एक साल पहले भेजा 11 करोड़ का रिवाइज प्रपोजल : साल 2025 में नगर निगम ने खारुन नदी में चिंगरी नाले का गंदा पानी जाने से रोकने के लिए स्थायी समाधान को लेकर 11 करोड़ का रिवाइज प्रपोजल दोबारा भेजा।

विस में रायपुर पश्चिम विधायक मूणत ने उठाया था मामला

चिंगरी और पीहर नाले का गंदा पानी खारुन नदी में जाने से नदी का पानी दूषित होने और इससे आम जनता की सेहत को खतरा बताते हुए रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रश्न काल के समय यह मामला प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने सदन में यह सवाल किया कि खारुन नदी के पास 81.88 करोड़ रुपए खर्च कर 75 एमएलडी की क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के बाद भी यह स्थिति बनी है, इसे रोकने के लिए क्या उपाय किए गए? नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने जवाब दिया, खारुन के पास 75 एमएलडी का एसटीपी लगाया गया है, जो क्रियाशील है। चिंगरी नाला का दूषित जल नाले में बनाए गए पिकप वियर से ओवरफ्लो होकर नदी में जाता है। चिंगरी नाला की लाइनिंग तथा अप्रोच मार्ग नहीं होने से गाद सफाई की समस्या बनी हुई है। चिंगरी व पीहर नाले से आ रहे गंदे व दूषित पानी को नदी में जाने से रोकने 11 करोड़ की कार्ययोजना तैयार की गई।

मेट्रोमोनियल साइट से बुजुर्ग से साढ़े नौ लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मेट्रोमेनियल साइट से 80 साल से बुजुर्ग से ठगी करने वाले तीन लोगों को आजाद चौक तथा एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की सेल ने ओडिशा से गिरफ्तार किया है। शादी करने का झांसा देकर बुजुर्ग को जालसाज ने ठगी का शिकार बनाया था। उनके साथ साढ़े नौ लाख रुपए की ठगी गई थी। जालसाज ने अपने आपको कोरबा की रहने वाली सेवानिवृत्त रेलवे इंजीनियर बताकर बुजुर्ग को झांसे में लिया था। बिजली विभाग के सेवानिवृत्त टेक्निशियन हांडीपारा निवासी मनहरण टिकरिहा की शिकायत पर पुलिस ने ओडिशा, बलांगीर निवासी जसवंत डूंडी, मनोज राणा तथा ओडिशा, संबलपुर निवासी यश नायक को गिरफ्तार किया है। उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि दिल्ली के एक मेट्रोमोनियल साइट पर उसने अपना बायोडाटा अपलोड किया था। इस पर एक महिला ने कॉल किया और उसने अपना नाम रजनी शर्मा तथा कोरबा की रहने वाली बताया। महिला ने नौ जनवरी से 15 जून के बीच अपने रिश्तेदार के विवाह, खुद का एक्सीडेंट, मां का इलाज तथा अन्य झांसा देकर अपने अकाउंट में पैसे जमा कराए। ठगी में शामिल अन्य आरोपियों की पुलिस पतासाजी कर रही है।

■ तीन जालसाज गिरफ्तार, दो माह पूर्व आजाद चौक थाना क्षेत्र की घटना

प्रोसेस राइटर के लिए आवेदन प्रारंभ

रायपुर। विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत रिक्त सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी और प्रोसेस राइटर के लिए व्यापम द्वारा आवेदन प्रारंभ कर दिए गए हैं। एक जुलाई को खोला गया आवेदन पोर्टल 24 जुलाई तक खुला रहेगा। परीक्षा 6 सितंबर को संभावित है। दोनों पदों के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएगी। आवश्यक योग्यता सहित अन्य जानकारी व्यापम ने अपने आधिकारिक वेबसाइट में अपलोड कर दिए हैं।

बिजनेस साइट

नवा रायपुर में केनरा बैंक के अंचल कार्यालय का शुभारंभ, बैंकिंग सेवाओं को मिलेगी नई गति

रायपुर। केनरा बैंक ने अपने 121वें स्थापना दिवस के अवसर पर नवा रायपुर में अंचल कार्यालय, रायपुर का शुभारंभ किया। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने नए कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान अंचल कार्यालय रायपुर के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख अमिताभ चटर्जी, उप महाप्रबंधक एस. विजय शंकर तथा शांति कुमार नक्का सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैंक प्रबंधन के अनुसार रायपुर अंचल कार्यालय की स्थापना से छत्तीसगढ़ में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार होगा तथा आधारभूत बैंकिंग, डिजिटल बैंकिंग, ऋण प्रसंस्करण और ऋण वितरण जैसी सेवाएं अधिक तेज एवं प्रभावी ढंग से उपलब्ध हो सकेंगी। वर्तमान में बैंक रायपुर और बिलासपुर क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से सेवाएं दे रहा है। केनरा बैंक देशभर में 10 हजार से अधिक शाखाओं, 12 करोड़ से ज्यादा संतुष्ट ग्राहकों और 28 लाख करोड़ रुपये से अधिक के वैश्विक कारोबार के साथ भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के प्रमुख सार्वजनिक बैंकों में शामिल है।

डॉक्टर्स डे पर संजीवनी सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में चिकित्सकों का सम्मान

रायपुर। राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर संजीवनी सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में चिकित्सकों के सम्मान में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। अस्पताल के विभिन्न विभागों के डॉक्टरों को उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं, समर्पण और मानव सेवा के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केक काटकर किया गया, जिसके बाद चिकित्सकों को पुष्पगुच्छ एवं सम्मान-चिन्ह भेंट किए गए। अस्पताल के निदेशक एवं वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ. युसुफ मेमन ने कहा कि डॉक्टर केवल रोगों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि मरीजों और उनके परिजनों को नई आशा और विश्वास भी देते हैं। उन्होंने कहा कि संजीवनी सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल आधुनिक चिकित्सा तकनीकों और मानवीय संवेदनाओं के समन्वय से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

घुटनों, कमर दर्द और पुरानी बीमारियों के समग्र उपचार से मरीजों को नई राहत दे रहे डॉ. शैलेश खंडेलवाल

रायपुर। घुटनों का दर्द, कमर दर्द, मधुमेह, थायरॉइड, उच्च रक्तचाप सहित अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को समग्र चिकित्सा पद्धति के माध्यम से राहत प्रदान करने वाले डॉ. शैलेश खंडेलवाल पिछले करीब 35 वर्षों से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। आधुनिक चिकित्सा के साथ आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के समन्वय से वे मरीजों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुरूप उपचार उपलब्ध कराते हैं। मरीजों को आधुनिक डायग्नोस्टिक जांच की सुविधा, अनुभवी चिकित्सकों का मार्गदर्शन तथा जीवनशैली सुधार संबंधी परामर्श भी दिया जाता है। सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं के उद्देश्य से उनके संस्थान में डायग्नोस्टिक जांचों पर 50 प्रतिशत तक की रियायत दी जाती है।

आम सूचना

ग्राम - देवपुरी, प.ह. नं. - 00073, रा. नि.मं. -रायपुर- दो, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित परिवर्तित भूमि खसरा नंबर 15007/14 रकबा 0.0210 हेक्टेयर अर्थात 2260 वर्गफुट के संबंध में ।

सर्वविदित हो कि मेरी पक्षकारा ने विक्रेता राजेश हेलिवाल, पिता- जी. एल. हेलिवाल, पता - जे - 18, ग्रीन आर्चिड, अवनि विहार, दलदलसिवनी, रायपुर छ.ग. के हक, हित, स्वत्व एवं आधिपत्य में धारित परिवर्तित भूमि खसरा नं. 15007/14 रकबा 0.0210 हेक्टेयर अर्थात 2260 वर्गफुट जो कि ग्राम देवपुरी, प.ह.नं.-00073, रा.नि.मं. - रायपुर - दो, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित है, को क्रय करने के लिए अग्रिम बयाना राशि अदा कर दी गई है एवं पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतएव उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, शासकीय, अर्धशासकीय विभाग, बैंक, वित्त शाखा, साहूकार एवं अन्य किसी भी को कोई आपत्ति या उजरदावा हो तो इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के अन्दर मय दस्तावेज नीचे वर्णित पते पर अपना लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। म्याद पश्चात प्राप्त आपत्ति मेरी पक्षकारा के उपर बंधनकारी नहीं होगा एवं इकरारशुदा सम्पत्ति का पंजीयन मेरी पक्षकारा के पक्ष में करवा लिया जावेगा।

सो सूचना जाने।

दिनांक- 01/07/2026
रायपुर छ.ग.

भवदीय
संतोष कुमार नशीने (अधिवक्ता)
कक्ष क्र. 104, प्रथम तल,
जिला एवं सत्र न्यायालय रायपुर छ.ग.
मोबाईल नं.- 98266-87562

न्यायालय श्रीमान प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय बिलासपुर (छ.ग.)
नोटिस

प्रकरण क्र.- (अ) 475/2025
आदेश दिनांक : 12.05.2026
आगामी पेशी :-30.07.2026
प्रोसेस क्र. :- 421/26

श्री चंद्रप्रकाश कोसले उम्र 43 वर्ष पिता श्री लालजी कोसले निवासी कृष्णा नगर देवरीखुर्द बिलासपुर छ.ग. .....**आवेदक**

विरुद्ध

श्रीमती मंजु कोसले (भारद्वाज) उम्र 42 वर्ष पति चंद्रप्रकाश कोसले निवासी द्वारा पिता श्री यादराम (भारद्वाज) ओम शांति निकेतन स्कुल के सामने मोवा थाना पण्डरी रायपुर तह.व जिला रायपुर .....**अनावेदिका**

प्रति,
चंद्रप्रकाश कोशले पिता श्री लालजी कोशले निवासी कृष्णा नगर देवरीखुर्द तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)।

इस न्यायालय में आवेदक श्री चंद्रप्रकाश कोसले ने अनावेदिका श्रीमती मंजु कोसले के विरुद्ध धारा 13 (1) (क) हिन्दु विवाह अधिनियम 1955 आवेदन पत्र पेश किया हैं, जिसकी पेशी दिनांक 30.07.2026 को है।

अनावेदिका श्रीमती मंजु कोसले (भारद्वाज) उम्र 42 वर्ष पति चंद्रप्रकाश कोसले निवासी द्वारा पिता श्री यादराम (भारद्वाज) रामाभाठा पोस्ट सेदूराम तह. बिलाईगढ़ जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ छ.ग. को इस समाचार पत्र के प्रकाशन के द्वारा आवेदन का नोटिस प्रेषित किया जा रहा है कि इस प्रकरण में पेशी दिनांक 30.07.2026 को न्यायालय में प्रातः 11:00 बजे स्वयं उपस्थित होकर दावा आपत्ती अपना जवाब पेश कर प्रकरण की कार्यवाही में भाग लेवें अन्यथा आप के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

यदि किसी कारण वश पेशी दिनांक 30.07.2026 को न्यायालय में अवकाश घोषित हो जाता है सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर रहते हैं अगले दिन अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

अतः आज दिनांक 30.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

दिनांक :- 30.06.2026
स्थान : बिलासपुर

(आलोक कुमार)
न्यायालय श्रीमान प्रधान न्यायाधीश
कुटुम्ब न्यायालय, बिलासपुर (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, आरती निलेश गुप्ता, पति श्री निलेश गुप्ता, निवासी बी-603, वर्धमान स्काईलाइन, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)- 492001, ने अपना पुराना नाम "आरती निलेश गुप्ता" त्याग कर नया नाम "आरती गुप्ता" रख लिया है।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय एवं अन्य सभी अभिलेखों/दस्तावेजों में मेरे नए नाम "आरती गुप्ता", पति श्री निलेश गुप्ता, से ही जाना एवं पहचाना जाए।

आवेदिका
आरती गुप्ता
पति - श्री निलेश गुप्ता
बी-603, वर्धमान स्काईलाइन,
न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
492001

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, निलेश प्रकाश गुप्ता, पिता श्री प्रकाश गुप्ता, निवासी बी-603, वर्धमान स्काईलाइन, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)-492001, ने अपना पुराना नाम "निलेश प्रकाश गुप्ता" त्याग कर नया नाम "निलेश गुप्ता" रख लिया है।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय एवं अन्य सभी अभिलेखों/दस्तावेजों में मेरे नए नाम "निलेश गुप्ता", पिता श्री प्रकाश गुप्ता, से ही जाना एवं पहचाना जाए।

आवेदक
निलेश गुप्ता
पिता- प्रकाश गुप्ता
बी-603, वर्धमान स्काईलाइन,
न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
492001

NAME CHANGE

Appendix 'F'
Refer to Para 3 (b) (iii)

AN AFFIDAVIT FOR CHANGE OF NAME OF DEPENDENTS (ADDITION/CHANGE/ AMENDMENT IN MAIN (FIRST) AND MIDDLE NAME)

I, IC/Army No. 14430029F Rank HAV Name GIRIWAR KUMAR PATEL resident of Village Belargaon PO- Belar Bazar Dist- Dhamtari C.G. do hereby solemnly affirm and declare as under:-

(a) That I want to change name of my spouse/ dependent from KHAYA KHANT to CHHAYAKANT PATEL.

Date: 25/05/2026
Place: Raipur
Signature

NAME CHANGE

Appendix 'F'
Refer to Para 3 (b) (iii)

AN AFFIDAVIT FOR CHANGE OF NAME OF DEPENDENTS (ADDITION/CHANGE/ AMENDMENT IN MAIN (FIRST) AND MIDDLE NAME)

I, IC/Army No. 14430029F Rank HAV Name GIRIWAR KUMAR PATEL resident of Village Belargaon PO- Belar Bazar Dist- Dhamtari C.G. do hereby solemnly affirm and declare as under:-

(a) That I want to change name of my spouse/ dependent from PRATIBHA DEVI (DOB 12-08-1984) to PRATIMA PATEL (DOB 20-08-1983).

Date: 25/05/2026
Place: Raipur
Signature

नकटी के लोगों ....

बच्चे, बुजुर्ग, महिला सभी धरने में शामिल- अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे प्रभावित परिवारों में बच्चे, बुजुर्ग एवं महिलाएं भी शामिल हैं। दोपहर से भूखे-प्यासे धरना दे रहे प्रभावित परिवारों ने रात का खाना भी मुख्य गेट के सामने ही खाया। खाना की व्यवस्था कुछ सामाजिक संगठनों ने की।

नकटी के प्रभावितों ...

समिति में उपयुक्त, कार्यपालन अभियंता, संपदा अधिकारी और सहायक अभियंताओं सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। समिति यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक पात्र परिवार को निर्धारित आवास मिले और पुनर्वास पूरी तरह पारदर्शी एवं बिना किसी अव्यवस्था के संपन्न हो। ग्राम नकटी की शासकीय भूमि पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा लगभग 38 एकड़ भूमि में से करीब 12 एकड़ भूमि विशेष योजना के लिए उपयोग होगी, जबकि शेष 26 एकड़ भूमि पर मंडल की स्ववित्तीय सामान्य आवास योजना विकसित की जाएगी। भूमि पर अवैध रूप से निवासरत परिवारों के पुनर्वास के लिए जिला प्रशासन ने 65 पात्र परिवारों की सूची गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को सौंपी है। इस सूची में शामिल परिवारों को 29 जून को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सेक्टर-30 में निर्मित रिक्त ईडब्ल्यूएस आवासों का अस्थायी आवंटन कर दिया गया।

कांग्रेस के चार विधायकों ...

सवाल उठा रही है। कांग्रेस अब इसके विरोध में रणनीति के तहत आगे बढ़ रही है। सरकार को घेरने के लिए

“उद्घोषणा”

क्रमांक 5251/आर.सी./रा.वि.प्रा./2026
रायपुर, दिनांक 30/06/2026

प्राधिकरण की डॉ. खूबचंद बघेल, रांवाभाठा ट्रांसपोर्ट नगर योजना के अंतर्गत श्रीमती शुभप्रीत कौर सरना पति स्व. हरमीत सिंह सरना एवं ना. बा. अविराज सिंह सरना पिता स्व. हरमीत सिंह सरना वली व माँ श्रीमती शुभप्रीत कौर सरना को ब्लॉक 06 में भूखण्ड क्रमांक SS1-26 क्षेत्रफल 215 वर्गफुट 30 (तीस) वर्षीय पट्टे पर धारित है, आबंटिती के द्वारा उक्त भूखण्ड को फ्रीहोल्ड किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है ।

उक्त भूखण्ड को फ्रीहोल्ड किये जाने पर यदि किसी को कोई आपत्ति/ दावा होवें तो इस उदघोषणा प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/ दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति /दावा प्रस्तुत नहीं होने पर शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार फ्रीहोल्ड की कार्यवाही संपादित करा दी जावेगी। जिसके बाद कोई आपत्ति/ दावा ग्राह्य नहीं होगा ।

दिनांक .... को जारी ।

राजस्व अधिकारी (तहसीलदार)
रायपुर विकास प्राधिकरण
रायपुर (छ.ग.)

पेज 11 के शेष ...

विधानसभा सत्र से पहले नकटी विधायक कॉलोनी की जमीन पर आवास लेने से मना कर दबाव बनाएगी। वहीं जिनका घर उजाड़ा गया है, उन्हें पुनर्वास और मुआवजा दिलाने की मांग को प्रमुखता से रखेगी। ***चार विधायकों ने आवास लेने से किया इनकारः*** बिंद्रानवागढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक जनक राम ध्रुव, सराईपाली विधायक चातूरी नंद, लैलुंगा विधायक विद्यावती सिदार और बिलाईगढ़ विधायक कविता प्राणलहरे ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को इस मामले में पत्र लिखा है। उन्होंने सीएम को लिखे लेटर में कहा कि नकटी की जगह नया रायपुर में किसी अन्य उपयुक्त और केंद्रीय स्थान पर विधायक कॉलोनी के लिए जमीन आवंटित की जाए। उन्होंने कहा, नकटी ग्राम पंचायत में विधायक कॉलोनी बनाने के प्रस्ताव का स्थानीय ग्रामीण लगातार विरोध कर रहे हैं। इसके बावजूद प्रशासन ग्रामीणों की जमीन खाली करा रहा है, जिससे लोग आहत हैं। ***मुझे आवास नहीं चाहिए- नंद :*** सरायपाली विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक चातुरी नंद ने भी प्रस्तावित विधायक कॉलोनी का विरोध किया है। उन्होंने सीएम को लेटर लिखा है। सीएम को लिखे लेटर में चातुरी नंद ने कहा, मैं नकटी गांव में की गई कार्रवाई का विरोध करती हूं और नकटी गांव के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी हूं। गरीबों का घर उजाड़कर मुझे विधायक आवास नहीं चाहिए।

नकटी गांव के लोगों ....

पर विधायक कालोनी का निर्माण किया जा रहा है। कालोनी बनाने के लिए नकटी के संयुक्त चारागाह की भूमि में बसे लोगों की बेदखली करने की कार्रवाई की जा रही है, जो मानवीय दृष्टि से उचित नहीं है। उन्होंने कहा था कि वहां विधायक कालोनी बनाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

बिजली दरों में आज से ....

दरों में 20 से 40 पैसे प्रति यूनिट बढ़ोतरी हुई है। कृषि पम्पों की दरें 40 पैसे प्रति यूनिट महंगी की गई है, इसके साथ ही नए टैरिफ में कई बदलाव किये गए हैं। इसमें बिजली बिल का अग्रिम भुगतान किए जाने पर 1.25 प्रतिशत छूट को घटाकर 0.75 प्रतिशत कर दिया गया है। बिल भुगतान पर देना होगा प्रतिदिन की दर से सरचार्ज बिजली बिल के विलंबित भुगतान से जुड़े नियमों में भी संशोधन किया गया है। अब निर्धारित समय सीमा के बाद बिल जमा करने पर 1.5 प्रतिशत प्रतिमाह के बजाय 0.04 प्रतिशत प्रतिदिन की दर से सरचार्ज लगाया जाएगा। एलवी-1 और एलवी-2 श्रेणी के तहत जारी किए जाने वाले अस्थायी बिजली कनेक्शनों पर लागू सामान्य टैरिफ में भी बढ़ोतरी की गई है। पहले यह सामान्य दर का 1.25 गुना था, जिसे अब बढ़ाकर 1.5 गुना कर दिया गया है। ***बकाया बिल जमा करने के लिए 3 महीने की अतिरिक्त मोहलत :*** मुख्यमंत्री साय ने घोषणा की थी कि जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल लंबे समय से बकाया है, उन्हें भुगतान के लिए तीन महीने की अतिरिक्त मोहलत दी जाएगी। इस विशेष अवधि के दौरान बकाया बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं से किसी भी प्रकार का सरचार्ज नहीं वसूला जाएगा, जिससे लाखों उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

लापरवाही या चूक, रेल ...

पर रोक लगा दी है, जिसके बाद से फिलहाल उत्खनन का काम बंद है।

रायल्टी भी कराई ....

अनुबंध करने वाले ठेकेदार से 3 से 4 लाख रुपए की अग्रिम रायल्टी भी जमा कराई गई है। हालांकि बड़ा सवाल यह है कि प्रस्तावित रेल परियोजना वाली भूमि पर उत्खनन की अनुमति जारी कैसे हो गई।

जुलाई में भी रह ....

महीना 66 फीसदी कम बारिश के साथ गुजरा था और प्रदेशभर में सूखे जैसे हालात बन गए थे। राजधानी के ऊपर बादल छाए हुए हैं, मगर दो दिन बीतने के बाद भी बरस नहीं रहे। इसका प्रभाव बस्तर और सरगुजा संभाग के जिलों में अतिभारी से भारी वर्षा के रूप में दिखाई पड़ रहा है। मध्य इलाके में जुलाई के पहले सप्ताह में वर्षा होने के आसार बन रहे हैं, मगर इसका व्यापक असर प्रदेशभर में होने की संभावना कम है। दूसरे सप्ताह में बादलों की मेहरबानी बस्तर इलाके में अधिक रहने की संभावना है। जुलाई के तीसरे सप्ताह में पुनः बारिश की गतिविधि बढ़ेगी, इस दौरान प्रदेश में व्यापक बारिश होगी। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि इस महीने बारिश की गतिविधि में इजाफा तो होगा, मगर इसका दायरा व्यापक रूप से ज्यादा हिस्से में होने की संभावना कम ही नजर आ रही है। इस बार जून के महीने में वर्षा का संकट रहा है और राज्य के तमाम जिले कम बरसात की मार झेलते रहे हैं। **इन इलाकों में बारिश :** पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश के छोटे डोंगर में 10 सेमी., कुटरू में 8, पटना, चिरमिरी, बीजापुर, भैरमगढ़, बैकुंठपुर में 7-7 सेमी. बारिश हुई। रामचंद्रपुर, बड़े बचेली, ओरछा, ओडगी, भोपालपट्नम में 6-6, सारागांव, भटगांव, बिलाईगढ़ में 5-5, गीदम, सूरजपुर, शिवरीनारायण, बलरामपुर, दंतेवाड़ा, प्रेमनगर, पथरिया में 4-4 सेमी तथा अन्य दर्जनों स्टेशनों में 33 से 1 सेमी. तक बारिश दर्ज की गई। अगले चौबीस घंटे में राज्य के कुछ स्थानों में भारी बारिश होने का अनुमान है।

दिनभर बादल ....

है। दिन के साथ न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। 2 जुलाई को अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

खबर संक्षेप

सुयश हॉस्पिटल के 70 डॉक्टरों का किया सम्मान

रायपुर। डॉक्टर्स डे के अवसर पर लायंस क्लब रायपुर सीनियर द्वारा बुधवार को सुयश हॉस्पिटल के 70 डॉक्टरों का फूल और गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुयश हॉस्पिटल के डायरेक्टर डर विवेक केशरवानी ने कहा कि, डॉक्टर का व्यवहार ही मरीज के लिए सबसे बड़ा इलाज है, हम सभी पीड़ति मानवता के लिए कटिबद्ध हैं। डॉ नितिन गोयल एवं डॉ मनोज लाहोटी ने भी इस बात पर जोर दिया। कार्यक्रम में सीनियर के संथापक लायन डॉ निरंजन हरितवाल, अध्यक्ष लायन दीपक सिन्हा, ज़ोन चेयरमैन लायन दिवाकर अवस्थी, सचिव प्यारेलाल अग्रवाल अशोक अग्रवाल, उपाध्यक्ष गजानंद अग्रवाल, लायन प्रेमनारायण गुप्ता, लायन प्रेम सिंह सलूजा, लायन हामिद रजा, लायन महेंद्र मित्तल आदि उपस्थित थे।

जोन 4 के 10 कर्मचारियों का सेवानिवृत्ति पर सम्मान

रायपुर। नगर निगम जोन 4 के 10 कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा, जोन कमिश्नर डॉ. दिव्या चंद्रवंशी ने सम्मानित किया। इनमें नगर निगम जोन 4 के स्वास्थ्य विभाग के 9 कर्मचारी और राजस्व विभाग के एक कर्मचारी शामिल हैं। मोतीबाग परिसर स्थित जोन कार्यालय में हुए सम्मान कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेंद्र चंद्राकर उपस्थित रहे।

वैचारिक लड़ाई जीतना सबसे बड़ी चुनौती : इंद्रेश

रायपुर। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (रायपुर चैप्टर) द्वारा "माओवाद मुक्त छत्तीसगढ़ एवं वैचारिक घुसपैठ" विषय पर एक महत्वपूर्ण बौद्धिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के मुख्य संरक्षक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा कि, स्वतंत्रता के बाद भारत ने अलगाववाद, आतंकवाद और उग्रवाद जैसी अनेक चुनौतियों का सामना किया है। पूर्वोत्तर से लेकर कश्मीर, पंजाब और मध्य भारत तक राष्ट्रविरोधी शक्तियों ने समय-समय पर देश की एकता और अखंडता को चुनौती देने का प्रयास किया। माओवाद ने विशेष रूप से आदिवासी अंचलों में हिंसा के साथ-साथ वैचारिक भ्रम और धर्मांतरण के माध्यम से अपनी जड़ें मजबूत करने का प्रयास किया। राज्य सरकारों की प्रभावी नीतियों, सुरक्षा बलों के अद्वितीय साहस तथा स्थानीय नागरिकों के सहयोग और संकल्प के परिणामस्वरूप आज छत्तीसगढ़ से माओवाद समाप्त हुआ।

विधायक ने नवीन सोनोग्राफी मशीन का किया लोकार्पण

रायपुर। क्षेत्रवासियों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बुधवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनुज शर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरसींवा में आयोजित 'जीवनदीप समिति' की विशेष बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा की और क्षेत्र की जनता को बड़ी सौगात देते हुए नवीन सोनोग्राफी मशीन का लोकार्पण किया। नई सोनोग्राफी मशीन की सुविधा मिलने से अब स्थानीय मरीजों को जांच के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

चार बाघों का शिकार, महाराष्ट्र पुलिस इंटेलिजेंस के जवान के साथ हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बस्तर में लाल आतंक की समाप्ति के बाद तस्कर सक्रिय हो गए हैं। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में पांच माह पूर्व तथा करीब एक सप्ताह पूर्व शिकार किए गए दो बाघों की खाल जब्त की गई है। खाल की लंबाई के आधार पर अंदाजा लगाया जा रहा है कि पांच माह पूर्व शिकार किए गए बाघ की उम्र ढाई तथा हाल के दिनों में शिकार किए गए बाघ की उम्र सवा साल रही होगी।

- अन्य तस्करों की तलाश में जुटी एंटी पोचिंग स्क्वाड तथा वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो की टीम

खाल के साथ जिन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें से एक तस्कर महाराष्ट्र पुलिस के इंटेलिजेंस विभाग का जवान तथा दूसरा हेंड कांस्टेबल बताए जा रहा है। दोनों की पोस्टिंग गढ़चिरौली में होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है, शिकारियों ने बस्तर के इंद्रावती टाइगर रिजर्व तथा उससे सटे इलाके में चार बाघों का शिकार किया था। इस बात की विभागीय अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पुष्टि की है।

अफसर के अनुसार वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो, यूएसटीआर एंटी पोचिंग तथा उत्तरी एवं मध्य क्षेत्र, राज्य उड़नदस्ता की टीम महाराष्ट्र में छापे की कार्रवाई करने पहुंची, तो उसे महाराष्ट्र वन विभाग की टीम की ओर से कोई अपेक्षाकृत सहयोग नहीं मिल पाया। इस वजह से दो आरोपियों की ही गिरफ्तारी संभव हो पाई। अफसरों के अनुसार शिकार तथा तस्करी में शामिल अन्य आरोपियों के बारे में और जानकारी जुटाकर उनकी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

- जिन बाघों की खाल जब्त की गई है उनमें एक की उम्र ढाई तथा एक की सवा साल होने का अंदाजा
- दो की खाल बरामद

इन आरोपियों को किया गिरफ्तार

संयुक्त टीम ने कांकेर जिले के पश्चिम भानुप्रतापपुर स्थित बांदे परिक्षेत्र में छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ब्येश्वर गेडाम और बाबूराव को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी मोटरसाइकिल से अनुसूची-1 में शामिल संरक्षित वन्यजीव बाघ के दो खालों की अवैध तस्करी कर ले जा रहे थे। दोनों से पूछताछ के बाद उन्हें कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल कर दिया गया है।

महाराष्ट्र से लेकर ओडिशा तक कॉरिडोर

महाराष्ट्र के तडोबा-अंधेरी टाइगर रिजर्व के बाघों का छत्तीसगढ़ के इंद्रावती टाइगर रिजर्व से लेकर ओडिशा के सुनाबेड़ा तक पांच सौ किलोमीटर का एक बड़ा गलियारा है। तोडोबा-अंधेरी के टाइगर अबूझमाड़, इंद्रावती टाइगर रिजर्व के रास्ते होते हुए उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व पार कर ओडिशा के सोनाबेड़ा टाइगर रिजर्व पहुंचते हैं।

मूवमेंट ट्रैक कर करते हैं शिकार

वन्यजीवों के जानकारों के मुताबिक तडोबा-अंधेरी के टाइगर के मूवमेंट पर शिकारी नजर रखते हैं। इसके बाद बाघ का पीछा कर उनका शिकार करते हैं। शिकारी ज्यादातर बाघों का शिकार छत्तीसगढ़ या ओडिशा वन सीमा से सटे मार्ग पर करते हैं। पूर्व में नक्सलियों के खौफ से तस्कर घने वनक्षेत्र में जाने से डरते थे। नक्सलवाद का खात्मा के बाद पूर्व के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में वन विभाग द्वारा सुरक्षा नहीं बढ़ाए जाने के परिणामस्वरूप सिलिसिलेवार चार बाघों की शिकार की घटनाएं हुई हैं।

15 अगस्त तक मांग पूरी न होने पर प्रदेश स्तर पर आंदोलन का दिया अल्टीमेटम

प्रदेशभर के 16 हजार कोटवार कल हड़ताल पर तहसील स्तर पर देंगे धरना, सौंपेंगे ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के 16 हजार कोटवारों ने अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 3 जुलाई को लामबंद कोटवार तहसील स्तर पर एक दिवसीय धरना देकर शासन का ध्यान अपनी लंबित मांगों के प्रति आकर्षित कराने जुटेंगे। कोटवार एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के प्रांत अध्यक्ष प्रेमकिशोर बाघ ने कहा, कई बार ध्यान आकर्षित कराने के बाद भी उनकी मांगों को पूरा नहीं होने से प्रदेशभर के कोटवारों में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने चेतावनी दी है, यदि 15 अगस्त तक मांगें पूरी नहीं हुईं, तो प्रदेशभर के 16 हजार कोटवार प्रदेश व्यापी आंदोलन करेंगे।

कोटवारों को नियमित कर राजस्व विभाग में संविलयन करने, प्रतिमाह कम से कम 15 हजार रुपए वेतन भुगतान और कोटवारों की नियुक्ति में कोटवारों के परिवार के सदस्यों की नियुक्ति में प्राथमिकता देने सहित 6 सूत्रीय मांग को लेकर प्रदेश भर के कोटवार 3 जुलाई को दोपहर 3 बजे तहसील स्तर पर एक दिवसीय धरना देकर संबंधित तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। प्रांतीय संघर्ष समिति के आव्हान पर प्रदेश भर के कोटवार एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में शामिल होकर अपने लंबित मांगों को लेकर हक की आवाज बुलंद करेंगे।

कोटवारों की मांग के संबंध में प्रांताध्यक्ष प्रेमकिशोर बाघ ने बताया कि दुर्भाग्य की बात है कि एक अरसे से पीढ़ी दर पीढ़ी शासन प्रशासन एवं आम जनता की सेवा कर रहे कोटवारों का न तो नियमितीकरण हुआ, न ही उन्हें शासकीय कर्मचारी का दर्जा मिल पाया। बच्चों की पढ़ाई, लिखाई के लिए और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोटवारों के लिए कोई योजना नहीं है। शासन के कोटवारों के प्रति उदासीन रवैये से नाराज प्रदेश के कोटवार एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपेंगे।

नियमितीकरण, मानदेय बढ़ाने सहित 6 सूत्रीय मांग, सभी तहसीलों में तहसीलदार को देंगे ज्ञापन

प्रमुख मांगें

- राज्य के सभी अतिथि शिक्षक का स्कूल शिक्षा विभाग में संविलयन किए जाएं
- ग्रीष्म अवकाश अवधि का नियमित मानदेय प्रदान करने की मांग
- समान कार्य समान वेतन के सिद्धांत के तहत व्याख्याता पद के समकक्ष वेतनमान दिया जावे
- राज्य स्तरीय अतिथि शिक्षकों को सरकारी कर्मचारियों के समान अवकाश की पात्रता हो।

समान काम समान वेतन की मांग को लेकर राज्य अतिथि शिक्षकों का प्रदर्शन

शिक्षा विभाग में संविलयन और समान काम, समान वेतन सहित 4 सूत्रीय मांगों को लेकर बुधवार को प्रांतीय अतिथि शिक्षक संघ ने दुर्ग में रैली निकालकर प्रदर्शन किया। 5 जुलाई को राज्य अतिथि शिक्षक अपने लंबित मांगों को लेकर शिक्षा मंत्री के बंगले का घेराव करेंगे। इसी तरह 12 तारीख को रायपुर जल सत्याग्रह कर राज्य अतिथि शिक्षक विरोध जताएंगे। 14 जुलाई को अर्ध नग्न प्रदर्शन कर अपनी मांगों से अवगत कराने का कार्यक्रम रखा गया है। प्रांतीय अतिथि शिक्षक कल्याण संघ के धर्मेंद्र वैष्णव ने बताया कि प्रदेश भर में 1650 राज्य अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं जो कि कक्षा अध्यापन, आईसीटी प्रशिक्षण, चुनाव कार्य, एनएसस प्रभारी, छात्रवृति कार्य, बोर्ड परीक्षाओं का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन कार्य में नियमित शिक्षकों के समान अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके बाद भी इन शिक्षकों को नियमितीकरण, समान काम समान वेतन, अवकाश, सेवा सुरक्षा जैसी सुविधाएं प्रदान नहीं की गई है। इससे राज्य अतिथि शिक्षकों में नाराजगी व्याप्त है।

300 परिवार परेशान, रास्ता ब्लॉक करने से

शिवपार्क कालोनी से निकलने वाले गंदे पानी की निकासी बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के महादेव घाट के पार अमलेश्वर क्षेत्र अंतर्गत शहीद भगत सिंह वार्ड-18 स्थित शिवपार्क कालोनी में रहने वाले 300 परिवार इन दिनों जलभराव से परेशान हैं।

कालोनी के घरों से निकलने वाला सिवरेज तथा बारिश का पानी की निकासी के लिए छोटी-छोटी नाली बनी हुई है, जो मुख्य नाली में जुड़ती है। मुख्य नाली कबीर आश्रम से गुजरी हुई थी, जो सरकारी नाले में जाकर मिलती है। आश्रम ने अब मुख्य नाली में जुड़ने वाली सभी छोटी नालियों के रास्ते को बंद कर दिया है, जिसके कारण अब कालोनी में जलभराव की स्थिति बन रही है।

कलेक्टर से शिकायत के बाद भी समस्या का निराकरण नहीं

इस कालोनी के रहवासियों ने बताया कि इस मामले को लेकर उनके द्वारा दुर्ग कलेक्टर से लिखित में 12 जून को शिकायत भी की गई है, लेकिन इसके बाद भी अब तक उनकी समस्या का निराकरण नहीं किया गया है। घरों से निकने वाला गंदा पानी के साथ अब बारिश के पानी की निकासी भी नहीं हो पा रही है। कालोनी के लोगों ने आरोप लगाया है कि कबीर आश्रम द्वारा शासकीय जमीन पर कब्जा भी किया गया है, वहीं मनमाने तरीके से कालोनी के सिवरेज पानी निकासी के रास्ते को बंद किया है।

रायपुर निगम के 11 एल्डरमैन आज करेंगे शपथ ग्रहण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा रायपुर नगर निगम के लिए घोषित 11 एल्डरमैन 2 जुलाई को प्रातः 11 बजे रायपुर कलेक्टोरेट कक्ष में शपथ ग्रहण करेंगे। नामांकित पार्षदों को रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार शपथ दिलाएंगे। जिला कलेक्टर के मुख्य आतिथ्य में यह शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को रखा गया है। नगर निगम रायपुर के लिए जिन 11 एल्डरमैन को गरिमामय समारोह में शपथ दिलाई जाएगी, उनमें रामकिंकर सिंह, विनय ओझा, मनीष करडभुजे, मित्रसेन धीमान, राजू राधवानी, गोपाल सोना, बी. निवास राव, अनिल सोनकर, गोपी साहू, विक्रम सिंह ठाकुर, ऋषि साहू शामिल हैं।

- कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार मुख्य अतिथि होंगे

गांधी सदन में महापौर मीनल चौबे ने एल्डमैन को दी बधाई

महापौर मीनल चौबे ने रायपुर नगर निगम में राज्य शासन द्वारा नामांकित किए गए दस एल्डरमैन से मुलाकात कर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी । ये सभी नव मनोनीत 11 एल्डरमैन 6 जुलाई को रायपुर नगर निगम की विशेष सामान्य सभा में हिस्सा लेंगे। यानी गांधी सदन में होने जा रही विशेष सामान्य सभा में नगर निगम के 70 वार्ड पार्षदों के साथ 11 एल्डरमैन सदन में नजर आएंगे।

शादी का झांसा देकर रेप 20 लाख की ठगी, उम्रकैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुजगहन थाना क्षेत्र में छह माह पूर्व शादी करने का झांसा देकर रेप तथा बेची गई जमीन का 20 लाख रुपए हड़पने वाले आरोपी को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रकरण की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पंकज सिन्हा की एट्रोसिटी कोर्ट में हुई। जिस महिला की शिकायत पर आरोपी को कैद की सजा सुनाई गई है, वह पूर्व से शादीशुदा थी, अपने पति से पिछले तीन साल से अलग रह रही थी।

- छह माह पूर्व मुजगहन थाना क्षेत्र की घटना

विशेष लोक अभियोजक उमाशंकर वर्मा के अनुसार कोर्ट ने धनेश्वर प्रसाद नामदेव उर्फ गुड्डू को आजीवन कारावास और छह हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने पीड़िता को शासन की पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत उचित मुआवजा दिए जाने की भी सिफारिश की है। महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह वर्ष 2023 में सेजबहार में ब्यूटी पार्लर की कोर्स कर रही थी, इसी दौरान उसकी पहचान कोरबा निवासी धनेश्वर प्रसाद से हुई। इसके बाद आरोपी ने महिला को शादी करने का झांसा देकर अपने प्रेम जाल में फंसाया। इसके बाद उसने नौ अगस्त 2023 से 22 अक्टूबर 2024 के बीच महिला के साथ रेप किया।

जमीन बिक्री की रकम हड़पी

पीड़िता के पिता ने जमीन बेचने के बाद 20 लाख रुपए उसे सुरक्षित रखने के लिए दिए थे। आरोपी ने इसी रकम को मकान खरीदने और भविष्य में साथ रहने का भरोसा देकर अपने कब्जे में ले लिया। रुपए मिलने के बाद आरोपी का व्यवहार पूरी तरह बदल गया। उसने पीड़िता से बातचीत बंद कर दी। जब युवती ने शादी का वादा पूरा करने का दबाव बनाया, तो आरोपी ने जाति का हवाला देते हुए विवाह करने से इनकार कर दिया और रकम देने से भी इनकार कर दिया।

हनी ट्रैप में फंसाकर 2.17 लाख की फिरौती, दो महिला गिरफ्तार

रायपुर। अधेड़ व्यक्ति को हनी ट्रैप में फंसाकर 2.17 लाख रुपए फिरौती वसूली करने वाली दो महिलाओं को गुढ़ियारी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों महिलाओं ने शराब में नशीली दवा मिलाकर पिलाई और इसके बाद उसका अश्लील वीडियो, फोटो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी दी थी। महिलाओं ने और ज्यादा रकम देने की मांग की, तब पीड़ित ने दोनों महिलाओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उरला निवासी 50 वर्षीय व्यक्ति की शिकायत पर पुलिस ने योगेश्वरी तथा अहिल्या को गिरफ्तार किया है। उसने पुलिस को बताया है कि उसे एक महिला ने गुढ़ियारी में अपने निवास स्थान में मिलने के लिए बुलाया। इसके बाद उसे शराब परोसी गई। शराब पीने के बाद वह बेहोश हो गया। बेहोश होने पर उसके कपड़े उतार कर एक अन्य महिला के साथ अश्लील वीडियो बनाकर अलग-अलग किस्तों में फिरौती वसूली। लोक लाज की भय से अधेड़ ने यूपीआई सहित अन्य बैंकिंग ट्रांजेक्शन कर रुपए ट्रांसफर किया। पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ एक्सटार्सन का केस दर्ज किया है।

- गुढ़ियारी थाना क्षेत्र की घटना

डूमरतराई अनाज मंडी में कैट का व्यापारी संवाद अभियान

रायपुर। प्रदेश के व्यापारियों की समस्याओं को जमीनी स्तर पर समझने, बाजार की आवश्यकता को जानने और समस्या के समाधान के लिए कैट की छत्तीसगढ़ इकाई ने व्यापारी संवाद अभियान चलाया है। इसी कड़ी में कैट का व्यापारी संवाद अभियान प्रदेश की सबसे बड़ी अनाज मंडी डूमतराई में चलाया गया। इस मौके पर कैट की छत्तीसगढ़ इकाई और डूमतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें राष्ट्रीय चेयरमैन अमर पारवानी ने डूमतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों से बाजार की समस्याओं और विकास से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान डूमरतराई व्यापारी कल्याण महासंघ के अध्यक्ष प्रेम पाहुजा ने व्यापारियों की ओर से चर्चा के बाद कैट को मांग-पत्र सौंपा, जिसमें प्रमुख रूप से शहर से डूमरतराई बाजार तक आने और जाने नियमित सिटी बस सेवा प्रारंभ करने, बाजार आने वाले प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की मांग की गई। इसी तरह बाजार क्षेत्र में सुरक्षा के लिहाज से नियमित पुलिस गश्त की व्यवस्था, ट्रांसपोर्ट संचालन के लिए उपयुक्त एवं सुव्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने की मांग की गई।

- व्यापारी कल्याण महासंघ ने सौंपा मांगपत्र

कंपोजिट शराब दुकान में चोरी, राजस्थान से चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सरोना स्थित कंपोजिट शराब दुकान में पिछले महीने सात लाख रुपए चोरी करने वाले राजस्थान के चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से चोरी की रकम दो लाख रुपए बरामद की है। एक अन्य की पुलिस पतासाजी कर जल्द गिरफ्तारी की बात कह रही है। चोरी की घटना पिछले महीने 13-14 जून की दरमियानी रात हुई थी। चोरी करने वालों को पकड़ने आमानाका थाना तथा एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम गई थी।

शराब दुकान में चोरी के आरोप में पुलिस ने राजस्थान, बांसवाड़ा निवासी पवन कुमार पाटीकर, प्रकाश मईडा, सुनील चरपोटा तथा राम सिंग को गिरफ्तार किया है। जिन लोगों को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, उनके खिलाफ राजस्थान में हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, चोरी, नारकोटिक एक्ट के प्रकरण दर्ज हैं। सभी आदतन बदमाश हैं। चोरी करने घुसे लोग पुलिस पकड़ से बचने शराब दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर चोरी कर साथ ले गए थे। चोरी में इस्तेमाल कार को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

- पुलिस ने पीछा करते हुए आगरा टोल प्लाजा में आरोपियों की गाड़ी का नंबर प्लेट किया ट्रेस
- दुर्ग, राजनांदगांव, गोंदिया के रास्ते भागे थे आरोपी, एक आरोपी पहले ही रेकी कर जा चुका था

आगरा में हुई चोरों की पहचान

कार में लगी नंबर प्लेट के फर्जी होने की जानकारी पुलिस को पहले ही मिल गई थी। बावजूद इसके पुलिस फर्जी नंबर प्लेट के आधार पर कार का पीछा करते हुए आगरा पहुंची। आगरा के एक टोल प्लाजा में कार का नंबर प्लेट होना पाया गया। चोरों ने आगे का सफर तय करने कार में ओरिजनल नंबर प्लेट लगा ली थी। इसके बाद कार मालिक के बारे में जानकारी जुटाकर पुलिस चोरों तक पहुंची।

चोरी करने पहले रेकी की थी

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया है कि चोरी करने के पहले उनका एक साथी शराब दुकान की रेकी करने आया था। रेकी करने के बाद चोरी करने के बाद भागने के मार्ग की जानकारी जुटाकर शराब दुकान में चोरी करने पहुंचे। घटना के बाद पुलिस को बदमाशों के कई और राज्यों में मूवमेंट की जानकारी मिली है। रायपुर के अलावा किसी अन्य राज्य में आरोपियों ने चोरी की घटना तो नहीं की है, इस संबंध में पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

संदिग्ध कार का फूटेज मिलने पर हुई शंका

घटना स्थल के आसपास की पुलिस सीसीटीवी फूटेज देख रही थी। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध कार का फूटेज मिला। कार के संदिग्ध होने का कारण कार में राजस्थान की नंबर प्लेट लगी होना था। पुलिस को शराब दुकान के पास एक गैरेज के पास से कार का संदिग्ध नंबर मिला। इसके बाद कार जिन रास्तों से होकर गुजरी, उन रास्तों में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से कार का पीछा करते राजस्थान पहुंची।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, गुरुवार 2 जुलाई 2026

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

भगवान श्रीजगन्नाथ के रथ का 45...

लाइव इवेंट

युवाओं में पर्सनालिटी व कॅरियर संवारने बढ़ रहा लोकल और विदेशी भाषाएं सीखने का क्रेज

रायपुर। विदेशी भाषा सीखना पर्सनालिटी व कॅरियर दोनों की दृष्टि से युवाओं में काफी ट्रेंड कर रहा है। इसके लिए वे लोकल व विदेशी भाषा बोलना सीख रहे हैं। वे लैंग्वेज लर्निंग क्लासेस के साथ-साथ संस्थानों से लैंग्वेज में डिप्लोमा कोर्सेस भी कर रहे हैं। लोकल व विदेशी भाषाओं को सीखना खासतौर पर उन लोगों के लिए कॅरियर की नई उड़ान भरने का मौका है, जो विदेश या इंटरस्टेट पढ़ाई, नौकरी या टूर आदि के लिए जाना चाहते हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां, ट्रैवल्स कंपनियां, पांच सितारा होटल और आईटी कंपनियां विदेशी भाषा के अच्छे जानकार युवाओं की खोज में हैं। एमबीए और बीबीए की पढ़ाई कराने वाले संस्थानों में भी छात्रों को एक विदेशी भाषा सिखाने का प्रचलन जोरों पर है। इनमें फ्रेंच, स्पैनिश, इटेलियन, जर्मन, रशियन, जैपनीज और कोरियन जैसी भाषाएं प्रमुख हैं। वहीं, रीजनल लैंग्वेज में बात करें तो मराठी, गुजराती, छत्तीसगढ़ी, भोजपुरी, तमिल जैसी भाषाओं को लेकर भी डिमांड है। इस क्षेत्र में रोजगार की कोई कमी नहीं है। विदेशी भाषाओं में कोर्स करने के बाद हेल्थकेयर, शिक्षा, टूरिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, दूतावासों एवं देश के विभिन्न संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। पर्यटन, होटल, इंटरनेशनल मीडिया हाउस में न्यूज ट्रांसलेटर व बतौर रिपोर्टर भी कार्य कर सकते हैं। लेकिन, इससे भी अलग है कि अब ऑनलाइन यानी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये होने वाली बैठकों में भी विदेशी व रिजीनल भाषाओं के जानकारों की प्लेसमेंट तेजी से बढ़ रही है।

छत्तीसगढ़ी भाषा सीख रहे युवा

शहर के लैंग्वेज एक्सपर्ट विनय अग्रवाल का कहना है कि छत्तीसगढ़ी भाषा में भी स्थानीय युवाओं में अच्छी रुचि कुछ वर्षों में देखने को मिली है। इसके अलावा प्रदेश में दूसरे राज्यों से पढ़ाई, जॉब करने आए युवा भी स्थानीय संस्थानों से छत्तीसगढ़ी व हिंदी भाषा में डिग्री, डिप्लोमा ले रहे हैं। साथ-साथ सामान्य बोलचाल की स्थानीय भाषा के लिए लैंग्वेज लर्निंग क्लासेस में लैंग्वेज एक्सपर्ट की मदद ले रहे हैं। एक्सपर्ट ने बताया कि छत्तीसगढ़ी भाषा में सरकारी कामकाज की भी मांग उठ रही है।

● सुरक्षा और सुविधाओं के चलते स्टूडेंट्स में तेजी से बढ़ रहा पीजी हॉस्टल में रहने का कल्चर

कॉलेज खुलते ही पीजी हॉस्टल्स की बढ़ी डिमांड उच्च शिक्षा हासिल करने राजधानी पहली पसंद

“ नए शैक्षणिक सत्र में कॉलेज और यूनिवर्सिटी के खुलते ही राजधानी में पीजी हॉस्टल्स की बुकिंग शुरू हो गई है। शहर के बाहर से बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स पढ़ाई करने पहुंच रहे हैं। संस्थानों के रहवासी छात्रावासों में सीटें फुल होने पर स्टूडेंट्स पीजी और हॉस्टल्स को विकल्प बना रहे हैं। शहर के पीजी हॉस्टल संचालक उमेश अग्रवाल का कहना है कि बाहर से पढ़ने आ रहे छात्र-छात्राओं के पैरेंट्स अपने बच्चों की सुरक्षा के साथ-साथ पढ़ाई-लिखाई के बेहतर सुविधायुक्त वातावरण के लिए निजी पीजी हॉस्टल्स में रूम किराए पर बुक करा रहे हैं।

रायपुर। राजधानी में बाहर से आए स्टूडेंट्स के लिए सस्ता और सुरक्षित कमरा खोजना एक बड़ी चुनौती रहती है। इसके उलट स्टूडेंट्स को निजी पीजी हॉस्टल्स आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। निजी पीजी हॉस्टल्स संचालकों के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में पीजी हॉस्टल्स में रहकर पढ़ाई करने का क्रेज बढ़ा है। प्रदेश सहित दूसरे राज्यों से भी स्टूडेंट्स राजधानी के कॉलेज व विश्वविद्यालयों में पढ़ाई-लिखाई करने पहुंच रहे हैं, जो बिना पीजी हॉस्टल्स में किसी परेशानी के स्वतंत्र तौर पर अपना स्टडी पूरा करने रहना पसंद कर रहे हैं। वहीं, पीजी हॉस्टल्स में रह रहे छात्र-छात्राओं का कहना है कि संस्थानों के हॉस्टल्स में कई तरह की दिक्कतें होती हैं। इसलिए निजी पीजी हॉस्टल्स में रहकर स्टडी करना ज्यादा कंफर्टेबल लगता है। इस तरह से स्टूडेंट्स में तेजी से पीजी हॉस्टल में रहने का कल्चर भी बढ़ा है।

इन प्राइम लोकेशन में पीजी हॉस्टल की अधिक डिमांड

पीजी हॉस्टल संचालक अजय शर्मा का कहना है कि शहर में देवेंद्र नगर, सिविल लाइंस और फाफाडीह में पीजी हॉस्टल की काफी मांग सबसे अधिक हैं। यहां पर पीजी हॉस्टल्स में शेयरिंग बेसिस पर 3000 से 6000 रुपए प्रतिमाह, जबकि सिंगल रूम के लिए 7 से 10 हजार रुपए तक चार्ज है। यदि आप सिटी के प्राइम लोकेशन में अच्छी सुविधाओं वाले स्टूडेंट्स पीजी या हॉस्टल में रहने का सोच रहे हैं, तो ये खास टिप्स आपके लिए मददगार साबित होंगे।

स्टूडेंट्स को सरकारी आर्थिक मदद भी

ऐसे छात्र जिन्हें कॉलेज-विश्वविद्यालयों के हॉस्टल्स में कमरा उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, तो राज्य सरकार मुख्यमंत्री शिक्षा सहयोग योजना के तहत उन छात्रों को आर्थिक सहायता भी प्रदान कर रही है। ताकि वह प्राइवेट पीजी हॉस्टल्स में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर सके। रायपुर में पढ़ने वाले छात्रों को प्रतिमाह 3000 रुपए और अन्य संभागीय मुख्यालयों में 2500 रुपए की आर्थिक मदद मिलती है।

छात्र प्राइवेट पीजी की ओर कर रहें रुख

सरकारी कॉलेजों के हॉस्टल्स में सीमित सीटें होने के कारण छात्र प्राइवेट पीजी की ओर रुख कर रहे हैं। वहीं, पैरेंट्स की पहली प्राथमिकता गर्ल्स-बॉयज के लिए सीसीटीवी, वाई-फाई और 24 घंटे सुरक्षा वाले पीजी होते हैं। इन पीजी और हॉस्टल्स में सीटें सीमित होने और बाहर से आए छात्रों के कारण, सस्ता और सुरक्षित कमरा खोजना एक बड़ी चुनौती बन गया है। शहर में दूर-दराज के इलाकों से पढ़ाई करने वाले छात्रों की संख्या में भारी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

सिटी इवेंट

कपल्स मम्मी-पापा बनने के खूबसूरत एहसास और नन्हे मेहमान से जुड़े पलों को रख रहें संजोकर

रायपुर। न्यू कपल्स में गुड न्यूज यानी प्रेग्नेंसी को सेलिब्रेट करने का ट्रेंड काफी बदल गया है। सोसाइटी में अब यह सिर्फ घर में मिठाई बांटने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे एक शानदार इवेंट और यादगार लम्हे के तौर पर मनाने का चलन तेजी से बढ़ा है। दंपती इस खुशी के पल को फोटो-वीडियो शूटिंग से लेकर स्पेशल इवेंट पार्टी के जरिए फैमिली-फ्रेंड्स को सरप्राइज देना चाहते हैं, ताकि आने वाले नन्हे मेहमान से जुड़े यादगार पल यादों में सजाए जा सकें। शहर के जाने माने इवेंट प्लानर अभिषेक पचवानी ने बताया कि न्यू कपल्स गुड न्यूज को एक भव्य रूप में प्रेजेंट करने के लिए आतुर हो रहे हैं। वे महंगे फोटो-वीडियो शूटिंग व इवेंट पार्टी तक आर्गेनाइज करा रहे हैं। इसमें आउटडोर थीम बेस्ड फोटो-वीडियो शूटिंग, जिसमें बनावटी पोज के बजाय नेचुरल और इमोशनल पोज ट्रेंड में हैं। सिनेमैटिक वीडियो अनाउंसमेंट में जहां जोड़े अब अपनी गुड न्यूज को एक छोटी फिल्म या रील के रूप में शूट कर रहे हैं। वहीं, सिग्नेचर स्टाइल में केवल अल्ट्रासाउंड फोटो, बेबी शूज या मॉम-डैड लिखी टोपी पहनकर फोटोशूट करा रहे हैं। गोल्डन ऑवर शूट शाम की प्राकृतिक रोशनी में रोमैंटिक और स्टाइलिश फोटोशूट काफी पसंद किया जा रहा है। किसी भी कपल के लिए मम्मी-पापा बनना खूबसूरत एहसास से कम नहीं होता। प्रेग्नेंसी को जिंदगीभर के लिए यादगार बनाना आज के युवा कपल्स के बीच ट्रेंड बन गया है।

नन्हे मेहमान के आने से पहले बेबी पार्टी का चलन

शहर की इवेंट मैनेजमेंट संचालक आरुषि दत्ता ने बताया कि पहले के मुकाबले अब बेबी शॉवर का ट्रेंड बहुत बढ़ गया है। लोगों को नई-नई थीम पर पार्टी करनी होती है। ऐसे में वे गर्भवती महिला की सुरक्षा को देखते हुए पार्टी की थीम तय करती हैं। मौसम में थीम पार्टी लोगों की पहली पसंद रहती है। इसमें मां बनने वाली महिला को बाउंसी किट में बैठाते हैं। यह रबर की सीट होती है, जो पूल के बीच में होती है। पार्टी को दूध की बोतल, डायपर जैसी चीजों से सजाया जाता है।

पैरेंट्स के लिए अनोखे खेल भी

गुड न्यूज पार्टी को दिलचस्प बनाने के लिए कई अनोखे खेल होते हैं। बेबी शॉवर पार्टी में पैरेंट्स के लिए क्विज रखे जाते हैं। इसमें पैरेंटिंग से जुड़े सवाल किए जाते हैं और जो विनर होता है, उन्हें गिफ्ट भी हटकर दिए जाते हैं। वहीं, कुछ टास्क भी दिए जाते हैं, जैसे बच्चे की डमी सबके सामने रखते हैं और लोगों को कहते हैं कि इसे डायपर पहनाएं। इस तरह के खेलों से लोगों का भी खूब मनोरंजन होता है। वहीं, करीबी दोस्तों और परिवार के साथ इंटिमेट डिनर पार्टी में सरप्राइज देकर धीरे-धीरे खुशखबरी साझा करना नया ट्रेंड है। आजकल बोहो थीम मैटरनिटी पार्टी भी काफी चलन में है। इसमें हल्की और स्टाइलिश सजावट की जाती है। लोग सेलिब्रेशन के लिए 'बटरफ्लाई' या 'बेबी कमिंग सून' जैसे कस्टमाइज़्ड केक का इस्तेमाल कर रहे हैं।

रक्तदान करें, जीवन बचाएं थीम पर आयोजन, सहभागी बने लोग

रायपुर। 'रक्तदान करें, जीवन बचाएं' थीम पर रोटरी क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर द्वारा सिटी ब्लड सेंटर तात्यापारा में बुधवार को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान करें, जीवन बचाएं का संदेश देते हुए शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान करते हुए मानव सेवा का संदेश दिया। वहीं, डॉक्टर्स डे एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे के उपलक्ष्य में प्रतिष्ठित चिकित्सकों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मान समारोह भी किया गया। क्लब द्वारा समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्कृष्ट योगदान देने वाले डॉक्टरों एवं सीए सदस्यों का सम्मान किया गया। इनमें डॉ. अंकुर सिंघल, डॉ. अनुज जाउलकर, डॉ. अविनाश तिवारी, डॉ. गौरव त्रिपाठी, डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी, डॉ. कृष्णकांत साहू, डॉ. संध्या साहू, डॉ. मनोज लांजेवार प्रमुख रूप से शामिल हुए।

रक्तदान करने का डोनर्स को बताया फायदा

इस कड़ी में सम्मान प्राप्त करने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सीए गोपाल अग्रवाल, सीए सुमित सिंघानिया, सीए विकेश डोडोई ,सीए अविनाश अग्रवाल, सीए जतिन मंगल अग्रवाल, सीए अभिषेक अग्रवाल और सीए अंकेश जालान शामिल रहे। कार्यक्रम में पार्षद दीपक जायसवाल भी प्रमुख रूप से शामिल हुए। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर के अध्यक्ष संजय करकरे, सचिव बिरेंद्र शर्मा, ट्रेजरर मोनेंद्र छाबड़ा, डॉ. जितेंद्र सराफ ने रक्तदान के फायदे की जानकारी डोनर्स को दी। कितने दिन बाद वापस जीवन बचाने के लिए रक्तदान वे कर सकेंगे, इसकी जानकारी भी डोनर्स को दी गई।

उद्योगों से जुड़ी शिक्षा से युवाओं को बेहतर कॅरियर देने की पहल

रायपुर। विद्यार्थियों के लिए रोजगारोन्मुखी एवं उद्योग आधारित पाठ्यक्रम इन बैंकिंग फाइनेंस, इन सप्लाई चैन लॉजिस्टिक्स और इन जीएचएम (हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट) की विशेष जानकारी बुधवार को साझा की गई। प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में आईटीएम यूनिवर्सिटी के सहायक महाप्रबंधक मोहन कुमार गौड़ा ने उक्त संदर्भ में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा वर्तमान समय में विद्यार्थियों को केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि उद्योगों की वास्तविक जरूरत के अनुरूप कौशल एवं व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया जाएगा। इस उद्देश्य से विशेष पाठ्क्रम शुरू किया गया है। इन बैंकिंग एवं फाइनेंस की विशेषता यह है कि संस्थान द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठित बैंकों से पहले ही एमओयू किए गए हैं। इससे विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और बेहतर रोजगार के अवसर मिलेंगे।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी

उन्होंने बताया कि इन सप्लाई चैन एवं लॉजिस्टिक्स कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को उद्योग जगत से प्रत्यक्ष जुड़ाव का अवसर भी मिलेगा। सहयोगी उद्योगों द्वारा पात्र विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृति प्रदान करने के लिए व्यवस्था भी की गई है। इससे विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। वहीं, इन जीएचएम (हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट) कोर्स में आतिथ्य एवं पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर कॅरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए बेहतर अवसर देंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को विदेशों में इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा। इससे उन्हें संस्कृति एवं व्यावहारिक अनुभव का लाभ मिलेगा। साथ ही, विद्यार्थियों के लिए विदेशों में रोजगार एवं कॅरियर निर्माण के व्यापक अवसर मिलेंगे।

मानसून की शुरुआत के साथ ही शहर के बाजारों में बरसाती सामग्री की भारी मांग

रेनकोट, छतरी, वाटरप्रूफ पाउच, बैग कवर और एक्सेसरीज खरीदने उमड़ रही लोगों की भीड़

कार्नर न्यूज

रायपुर। मानसून की शुरुआत के साथ ही शहर के बाजारों में वाटरप्रूफ गैजेट्स और एक्सेसरीज की भारी मांग बढ़ गई है। कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स और ऑफिस जाने वाले कामकाजी लोग बारिश से महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे स्मार्टफोन और लैपटॉप को बचाने के लिए वाटरप्रूफ पाउच, बैग कवर और रेन-प्रूफ ब्लूटूथ स्पीकर खरीद रहे हैं। मानसून में सबसे ज्यादा बिकने वाले गैजेट्स बारिश के मौसम में डिवाइस को सुरक्षित रखने के लिए बाजार में कई तरह के सामान पहुंच गए हैं। शहर के गोल बाजार में सबसे ज्यादा लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है, जहां वे रेनकोट, छतरी, शूज-स्लीपर, वाटरप्रुप बैग आदि खरीद रहे हैं। इसके लिए कपड़े, शूज शॉप, स्टेशनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स एंड एक्सेसरीज की दुकानों पर भी खरीदारों की भीड़ दिख रही है। इन खरीदारों में हर वर्ग के लोग शामिल हैं। विशेष तौर पर स्टूडेंट्स, वर्किंग पर्सन में वाटरप्रुफ गैजेट्स व एक्सेसरीज की खूब डिमांड हो रही है। इसके अलावा, मोबाइल फोन, कॉपी और किताबों को बारिश से बचाने के लिए वाटरप्रूफ पाउच सबसे बुनियादी और लोकप्रिय एक्सेसरी हैं।

वाटरप्रूफ लैपटॉप बैग्स और टच-स्क्रीन फ्रेंडली पाउच

ये पारदर्शी पाउच टच-स्क्रीन फ्रेंडली होते हैं, जिनकी कीमत 50 से 200 रुपए के बीच है। वहीं, स्मार्टफोन, रेनकोट, बाइक या स्कूटी चलाने वालों के लिए यह एक सख्त और वाटर-रेसिस्टेंट कवर होता है, जो फोन को नेविगेशन के लिए इस्तेमाल करते समय पूरी तरह सूखा रखता है। वाटरप्रूफ लैपटॉप बैग्स सफर करने वाले कामकाजी लोगों के लिए, टीपीयू-कोटेड और रेन-कवर वाले नायलॉन बैग सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं, ताकि भारी बारिश में लैपटॉप और अहम दस्तावेज न भीगें।

वाटरप्रूफ ब्लूटूथ स्पीकर और ईयरबड्स

म्यूजिक के शौकीनों के लिए आईपीएक्स-7 या आईपी-67 रेटिंग वाले स्पीकर्स की मांग बढ़ रही है। वहीं, बारिश के मौसम में बिजली कटौती की समस्या से निपटने के लिए वाटरप्रूफ और सोलर चार्जिंग वाले पावर बैंक भी काफी खरीदे जा रहे हैं। लोकल मार्केट और ऑनलाइन विकल्प शहर के स्थानीय इलेक्ट्रॉनिक और मोबाइल एक्सेसरीज स्टोर पर वाटरप्रूफिंग एक्सेसरीज उपलब्ध हैं।

धर्म लाइव

हनुमान के जीवन चरित्र में निहित आध्यात्मिक ऊर्जा

रायपुर। आकाशवाणी के पास स्थित श्री मां महाकाली मंदिर चौक पर ट्रस्ट के वरिष्ठ न्यासी और छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला के जन्मदिवस पर धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत बुधवार सुबह 11 बजे विशेष हवन-पूजन के साथ की गई। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कथा वाचक पं. विजयशंकर मेहता ने हमारे हनुमान विषय पर विशेष आध्यात्मिक व्याख्यान दिया। इसमें पं. मेहता ने हनुमान जी के जीवन चरित्र और हनुमान चालीसा की आध्यात्मिक ऊर्जा से जीवन प्रबंधन के साथ ही पारिवारिक जुड़ाव एवं संस्कार को अपनाने की राह दिखाई।

डिप्टी सीएम सहित प्रमुखजनों ने लिया आशीष

इस कार्यक्रम में डिप्टी सीएम अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, तकनीकी शिक्षामंत्री गुरु खुशवंत साहेब, दक्षिण क्षेत्र के विधायक सुनील सोनी, ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, पश्चिम क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा ने पं. मेहता से आशीष भी लिया। वरिष्ठ पत्रकार उमा व्यास, पूर्व विशेष सचिव सुशील त्रिवेदी, मेयर श्रीमती मीनल चौबे, औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विक्रम मरकाम, अपेक्स बैंक के अध्यक्ष केदार गुप्ता प्रमुख रूप से मौजूद थे। अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष श्री अमरसिंह छाबड़ा, सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष श्याम शुक्ला सहित सैकड़ों प्रबुद्धजन आयोजन का हिस्सा बने।

समाज लाइव

कुरीतियों से बचाने सिंधी समाज की कोर कमेटी ने किया मंथन

रायपुर। समाज में फैल रही कुरीतियों की रोकथाम किस तरह की जा सकती है। कुछ इसी तरह के विषयों को लेकर मंगलवार को छग सिंधी सेवा महापंचायत के देवेंद्र नगर स्थित कार्यालय में कोर कमेटी की बैठक बुलाई गई। जहां मंथन के बाद यह निर्णय लिया गया कि आगामी महीने से प्रति तीन माह (त्रैमासिक) राज्य स्तरीय बैठकें की जाएंगी। पंचायत के प्रवक्ता दिनेश अठवानी ने बताया कि सिंधी समाज में फैल रही कुरीतियों, स्वास्थ्य-एवं शिक्षा संबंधित नीतियों एवं सामाजिक व राजनैतिक गतिविधियों पर ध्यान देते हुए बैठक की गई। इस संबंध में पंचायत के संस्थापक श्रीचंद सुंदरानी, अध्यक्ष अमर गिदवानी, महासचिव जितेंद्र बडवानी ने एक संयुक्त राय रखी।

त्रैमासिक बैठक में समस्याओं का खोजेंगे समाधान

इसमें उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत इकाई स्तर की मासिक बैठकों से हो, इसमें प्रत्येक विषय पर गहन चर्चा करके समस्याओं का हल निकालने का प्रयास भी किया जाए। त्रैमासिक बैठक में प्रत्येक इकाई पंचायतों, जिला स्तरीय पंचायतों के मुखी और कार्यकारी टीम को आमंत्रित करने के लिए सामूहिक प्रयास किया जाए। इसका पंचायतों में प्रचार भी किया जाए। समाज को आज की आवश्यकताओं पर ध्यान आकर्षित करना आवश्यक होगा। इस कड़ी में पूज्य तिल्दा सिंधी पंचायत के मुखिया किशोर सेतपाल ने यह प्रस्ताव रखा कि 19 जुलाई को प्रथम त्रैमासिक बैठक यहां रखी जाए, जिसकी स्वीकृति कोर कमेटी ने दे दी।

सिटी लाइव

अग्र सेवा गौशाला मंदिर में चार दिवसीय मूर्ति स्थापना महोत्सव संपन्न

रायपुर। ग्राम तर्रा स्थित अग्र सेवा गौशाला में नवनिर्मित मंदिर का चार दिवसीय मूर्ति स्थापना एवं प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का बुधवार को समापन हुआ। इस बीच वैदिक मंत्रोच्चार, धार्मिक विधि-विधान एवं भक्तिमय वातावरण में श्रद्धा, उल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हुआ। महोत्सव में गणेश पूजन, भव्य कलश यात्रा, वेदी पूजन, अधिवास, अभिषेक, नेत्रोन्मीलन, शिखर प्रतिष्ठा, हवन, देव प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति, महाआरती, ब्राह्मण भोज, कन्या भोज एवं विशाल प्रसादी भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें आजीवन सदस्य, दानदाता, गौभक्त एवं श्रद्धालु सहभागी बने। इस अवसर पर अग्र सेवा गौशाला मंदिर का विधिवत लोकार्पण किया गया। मंदिर का निर्माण स्वर्गीय निरंजन लाल अग्रवाल एवं स्वर्गीय श्रीमती गंगा देवी अग्रवाल की स्मृति में करवाया गया है।

माता-पिता की स्मृति में सेवा कार्य में सहयोग

अग्र सेवा सोसायटी के अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल ने बताया कि मंदिर में स्थापित दिव्य विग्रह दीपक अग्रवाल एवं परिवार द्वारा पिता स्वर्गीय रामरिछपाल (पालिया सेठ) की स्मृति में समर्पित किया गया। इसमें लगभग 160 गौवंशों को सुरक्षित सेवा के लिए निर्मित गौशाला शेड क्रमांक–2 का लोकार्पण रमेश अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी के हाथों हुआ। यह शेड स्वर्गीय गणपत राय अग्रवाल एवं स्वर्गीय श्रीमती पिस्तो देवी की पुण्य स्मृति में निर्मित किया गया है। महायज्ञ में दानदाता एवं प्रतिनिधि यजमान के रूप में शामिल हुए।

प्राचीन श्रीजगन्नाथ मंदिरों में देव स्नान के बाद वैद्य ने निभाई नाड़ी परीक्षण की परंपरा, आज से औषधीय भोग

भगवान श्रीजगन्नाथ के रथ का 45 साल बाद बदल गया सिंहासन, सालभर पहले मौर-मुकुट की बढ़ गई थी भव्यता

'पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर शहर के प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिरों में भी रथयात्रा उत्सव का सिलसिला शुरू हो गया है। इस क्रम में बुधवार को सभी जगन्नाथ मंदिरों में देव स्नान पर ज्यादा स्नान करने से बीमार श्री जगन्नाथ प्रभु, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का नाड़ी परीक्षण किया गया। वैद्य द्वारा बताई गई औषधियों का काढ़ा आज से भोग स्वरूप अर्पित किया जाएगा। वहीं, लिली चौक स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से निकलने वाले रथयात्रा का सिंहासन 45 साल बदला गया है। इससे महोत्सव की भव्यता भी इस साल बढ़ने वाली है।'

रायपुर। गायत्री नगर, सदर बाजार, टूरी हटरी सहित लिली चौक स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में विधि-विधान से परंपराओं का निर्वहन किया जा रहा है। इसके साथ ही रथयात्रा के लिए भगवान का नंदीघोष रथ भी सजने लगा है। लिली चौक स्थित मंदिर से इस बार निकलने वाली रथयात्रा के संदर्भ में पुजारी पं. संजय जोशी ने बताया कि 2025 में निकाली गई रथयात्रा के अवसर पर महाप्रभु, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का मौर मुकुट बदला गया था। इससे नंदीघोष रथ पर उनके विग्रह को स्थापित करने में जगह का अभाव रहा। इसे देखते हुए 45 साल बाद ऐसी स्थिति निर्मित हुई, जब भगवान के रथयात्रा में आकर्षण केन्द्र रहने वाले रथ के सिंहासन को बदला जा रहा है। इसके अलावा मूल रथ में कोई भी बदलाव नहीं होगा। सिंहासन का स्वरूप बदलने से इस बार रथयात्रा की भव्यता भी बढ़ेगी। इसके लिए कारीगरों ने भी काम शुरू किया है।

भगवान 14 जुलाई तक भक्तों को नहीं देंगे दर्शन

सदर बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रमुख मोहित पुजारी ने बताया कि परंपराओं को निभाने के साथ ही रथयात्रा की तैयारी भी शुरू हो गई है। हालांकि, इस बार भगवान के रथ में किसी तरह का बदला नहीं किया जाएगा, लेकिन रंग-रोगन और साज-सज्जा का क्रम कारीगरों ने शुरू किया है। उन्होंने बताया कि नाड़ी परीक्षण का विधान बुधवार को सुबह किया गया। गुरुवार सुबह भगवान को औषधीय भोग अर्पित किया जाएगा। यह सिलसिला आगामी 14 जुलाई तक चलेगा, भक्तों को इसे ही प्रसाद स्वरूप दिया जाएगा। भक्त जिस तरह से परिवार के लोगों की तबीयत खराब होने पर आते हैं, उसी भाव से आते हैं। लेकिन, उन्हें भगवान का दर्शन प्राप्त नहीं होता है।

रंग-रोगन और साज-सज्जा से आकर्षक होगा रथ

गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रमुख एवं उत्तर क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा ने बताया कि मंदिर में तैयारियों का सिलसिला शुरू हो गया है। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों में किसी तरह का बदलाव इस बार नहीं होगा। रंग-रोगन और साज-सज्जा का काम किया जाएगा। इससे पहले मंदिर में शाही स्नान के बाद से एकांतवास में भगवान चले गए हैं। नाड़ी परीक्षण का विधिवत नियम करने के बाद अब भगवान को काढ़े का भोग गुरुवार से लगाने की परंपरा निभाई जाएगी। भक्तों को प्रसाद स्वरूप इसे ही दिया जाएगा।

राज्य के 813 हज यात्रियों की स्वदेश वापसी, मुंबई पहुंचा अंतिम जत्था

रायपुर। छत्तीसगढ़ से हज कमेटी के माध्यम से यात्रा पर गए सभी हज यात्री की इबादत सफल और पूर्ण हुई। सभी सकुशल स्वदेश लौट आए हैं। राज्य के हाजियों का अंतिम जत्था मुंबई पहुंचा। एयरपोर्ट पर छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्जा एजाज़ बेग ने अगवानी करते हुए सभी हाजियों की गुलपोशी की। उन्होंने बताया कि, हज 2026 के लिए राज्य गठन के बाद अब तक की सर्वाधिक संख्या में राज्य के 29 जिलों से हज यात्री प्रस्थान किए। इनमें शामिल कुल 813 हज यात्रियों की स्वदेश वापसी हो गई है। इस वर्ष राज्य से 417 पुरुष एवं 396 महिला हज यात्रियों ने हज की सआदत हासिल की। राज्य के हज यात्रियों द्वारा चुने गए विकल्प अनुसार मुंबई ईम्बारकेशन प्वाइंट से 451, नागपुर से 290, दिल्ली से 14, अहमदाबाद से 02, बेंगलुरु से 06, हैदराबाद से 42, जयपुर से 01, लखनऊ से 05 एवं कोलकाता से 02 हाजियों की सकुशल वापसी हुई। अंतिम जत्थे की वापसी पर राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग, हज कमेटी के सदस्य मौलाना अमीर बेग, कार्यपालन अधिकारी-सचिव डॉ. खुशबू उस्मान शामिल हुईं।

मुंबई एयरपोर्ट पर स्वागत

राज्य के हज यात्रियों का मुंबई एम्बार्केशन प्वाइंट पर सोमवार को अंतिम जत्था मुंबई एम्बार्केशन प्वाइंट पहुंचा। हज यात्रियों की वापसी के अवसर पर राज्य हज कमेटी द्वारा हाजियों का एयरपोर्ट में गुलपोशी से इस्तकबाल किया गया एवं लगेज उपरांत प्रत्येक हाजी को पवित्र जल ज़म ज़म उपलब्ध कराया गया। सभी हाजियों ने राज्य हज कमेटी के द्वारा की गई बेहतरीन व्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मंत्री डॉ. श्याम बिहारी जायसवाल का आभार व्यक्त किया।

हज यात्रियों की सुविधाओं में विस्तार

हज कमेटी के चेयरमैन बेग ने बताया कि हज यात्रियों की सुविधाओं में वृद्धि की गई। इस बार हज कमेटी द्वारा हज यात्रियों को 20 दिवस शॉर्ट हज पैकेज, ऑनलाइन डाक्यूमेंट अपलोडिंग, पासपोर्ट जमा नहीं करने की सुविधा, प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण की सुविधा, संभाग स्तरीय विशेष हज प्रशिक्षण की सुविधा, हज के दौरान बुलेट एवं मेट्रो ट्रेन से यात्रा की सुविधा, मीना में प्रत्येक हाजी का नाम एवं कवर नंबर युक्त सोफा कम बेड की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे हज यात्रियों की यात्रा आरामदायक रही।

दिव्यांग बच्चों के विकास और पुनर्वास पर चार को सेमिनार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास, शिक्षा एवं पुनर्वास को लेकर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। यह सेमिनार न्यू शांति नगर स्थित विमतारा हॉल में चार जुलाई को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक होगा। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के महासचिव चंद्रेश शाह ने बुधवार को प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि इस सेमिनार में दिव्यांग बच्चों के अधिकारों, उनके विकास, शिक्षा और पुनर्वास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। सेमिनार में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में दिव्यांग बच्चों के लिए निर्धारित मानकों, अवसरों, समावेशी शिक्षा दिलाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को लेकर चर्चा की जाएगी। वार्ता के दौरान आयोजन के लिए तैयार किए गए ब्रोसर का विमोचन किया।

हितधारकों के बीच संवाद स्थापित करना है उद्देश्य

इसमें मुख्य अतिथि राज्य बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष एवं सांसद बृजमोहन अग्रवाल होंगे। उनके साथ कई विभागों के अधिकारी, शिक्षाविद्, सामाजिक कार्यकर्ता, अभिभावक एवं दिव्यांग बच्चों के हित में काम करने वाले संगठन भी शामिल होंगे। सेमिनार में इग्नू के डॉ. आलोक उपाध्याय, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी के योगेंद्र पाण्डे, रिटायर्ड आईपीएस सज्जाद नकवी, छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, अधिवक्ता सुगंधा जैन, डाइटिशियन डॉ. सारिका श्रीवास्तव विषय विशेषज्ञ के रूप में मौजूद रहेंगे। परिषद के महासचिव चंद्रेश शाह, श्रीमती इंदिरा जैन, डॉ. अशोक त्रिपाठी ने बताया कि सेमिनार का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों के अधिकारों और उनके विकास से जुड़े विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, हितधारकों के बीच संवाद स्थापित करना है।

शहर में युवाओं के ग्रुप ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत और समिति से जुड़े लोग भी संवार रहे पर्यावरण

प्रकृति के बीच होने का एहसास देने वर्षों पहले रोपे पौधे, अब मिल रहा सुकून और हरियाली

कार्नर न्यूज

रायपुर। शहर में ऐसे कई प्रकृति प्रेमी युवाओं के ग्रुप हैं, जो अलग-अलग क्षेत्र में पर्यावरण को संरक्षित करने में अब भी जुटे हैं। लोगों को प्रकृति के बीच होने का एहसास और सुकून देने के साथ ही आंखों को सुखद पल देने वाली हरियाली से लोगों को जोड़ रहे हैं। इससे पुरानी बस्ती क्षेत्र भी अछूता नहीं है। महाराजबंद तालाब के पास 6 हजार वर्गफीट जमीन, जहां पर 10 साल पहले लोग कचरा फेंकते थे। इससे इस रूट से आने-जाने वाले लोगों को बदबू के चलते दिक्कत होती थी। जहां युवाओं ने ग्रुप बनाकर 600 से ज्यादा पौधे रोपे, जो वृक्ष का रूप ले चुके हैं। घूमने-फिरने वाले लोगों को हरियाली के बीच हनुमान वाटिका में सुकून की छांव भी मिलती है। इसके पहले महामाईपारा, ठेठवारपारा और पटेलपारा के लोगों को घूमने-फिरने और सुकून के लिए दूसरे क्षेत्रों में जाना पड़ता था।

11 मेंबर्स के सहयोग से तैयार हुए 400 पेड़

सरजूबांधा नया तालाब श्मशान घाट विकास समिति की पहल पर करीब 4 एकड़ एरिया में 1998 में पहली बार शीशम के सौ पौधे वन विभाग की मदद से रोपे गए, जो अब विशाल वृक्ष का रूप ले चुके हैं। इसके बाद समिति के अध्यक्ष माधव लाल यादव ने 11 मेंबर्स के साथ मिलकर जनभागीदारी से तीन साल पहले 'एक पौधा पुरखा के नाम' थीम पर अभियान चलाया। इससे 400 पौधे रोपे गए। इनकी देखभाल के लिए बाउड्री और ग्रिलिंग करने से गार्डन का रूप लिया है। सालभर पहले 'एक पौधा मां के नाम' थीम पर एक हजार नए पौधे रोपे गए। इनको बचाने और देखभाल के लिए माली और चौकीदार हर स नियुक्त किया है। हर सप्ताह साफ-सफाई के लिए सभी मेंबर्स अभियान के तहत श्रमदान देते हैं।

बरगद-पीपल समेत कई तरह के पौधे अब वृक्ष

वाटिका की सफाई और पानी देने की जिम्मेदारी निभाने वाले दीप कुमार सपहा, मोहन वंशी और रोहित यदु के प्रयास से अब हरियाली देखने को मिल रही है, जहां दस साल पहले लोग कचरा डंप करते थे। आसपास लोगों ने कब्जा भी शुरू कर दिया था। जमीन बचाने और उसे उपयोगी बनाने का 6 युवाओं ने संकल्प लिया। जब जगह को श्रमदान से साफ करने की मुहिम तेज की गई तब अन्य युवा आम, नीम, आंवला, बरगद, बेल, कदम के पौधे लगाने के लिए आगे आए। उसे बचाने के लिए तालाब से पानी लाने के बाद सिंचाई शुरू की गई, अब बोर से पानी देते हैं। पौधों को बचाने के लिए चारों तरफ ग्रिलिंग की है, ताकि हरियाली को पशुओं से बचा सकें।

सिटी स्पोर्ट्स

स्पेशल ओलंपिक्स के लिए छत्तीसगढ़ के सत्यांशु स्वीडन में करेंगे देश का प्रतिनिधित्व

रायपुर। धमतरी जिले में समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित विशेष विद्यालय 'सार्थक स्कूल' के विशेष छात्र सत्यांशु दीप का चयन स्पेशल ओलंपिक्स भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में हुआ है। सत्यांशु आगामी 12 से 16 जुलाई तक स्वीडन में आयोजित होने वाली स्पेशल ओलंपिक्स गोथिया ट्रॉफी 2026 अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सत्यांशु दीप की यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल धमतरी जिले, बल्कि समूचे छत्तीसगढ़ के लिए बड़े गौरव का विषय है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और खेल कौशल का यह उत्कृष्ट उदाहरण यह साबित करता है कि यदि उचित प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और अवसर मिले, तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का परचम लहरा सकते हैं। धमतरी कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि यह सफलता सत्यांशु की कड़ी मेहनत, लगन और खेल के प्रति उनके अटूट समर्पण का परिणाम है। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों ने सत्यांशु के उज्ज्वल भविष्य और आगामी मैचों में शानदार प्रदर्शन की कामना की है। इसके साथ ही उन्होंने सत्यांशु के माता-पिता को भी विशेष रूप से बधाई दी है, जिनके निरंतर सहयोग, अटूट विश्वास और संबल ने सत्यांशु को इस अंतर्राष्ट्रीय मुकाम तक पहुँचाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नेशनल फर्स्ट 5 नेटबॉल में हिस्सा लिया छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने

रायपुर। नेटबॉल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा 5वीं सीनियर नेशनल फर्स्ट 5 प्रतियोगिता का आयोजन पुडुचेरी में किया गया। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की महिला एवं पुरुष टीम ने हिस्सा लिया और उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के पश्चात खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर के पश्चात फाइनल सिलेक्शन ट्रायल लिया गया। ट्रायल में यो-यो टेस्ट 800 मीटर दौड़, 100 मी दौड़ एवं गेम की दक्षता को देखते हुए खिलाड़ी चयनित किए गए। छत्तीसगढ़ टीम में पुरुष वर्ग में कप्तान इमरान खान, एस मोहन राव, निलेश शर्मा, मनोज साहू,नमनदीप टंडन ,निहाल पांडे, देवेश धीवर, अमन भोई, सुनील धीतलहरे एवं देवेंद्र यादव, महिला वर्ग कप्तान मिशा कुमारी, हर्षिका उपाध्याय, शिफा खान, आरती चौहान, अलका शर्मा, अंशिका शर्मा, नेहा शाह, सृष्टि, खुशबू गुप्ता और गुनीता साहू शामिल थे। पुरुष वर्ग में कोच एवं मैनेजर अनूप यादव व प्रशांत जेकब को बनाया गया वहीं महिला वर्ग में कोच प्रकाश विश्वकर्मा एवं मैनेजर इंद्राणी बनी।

पुडुचेरी एमेच्योर नेटबॉल एसोसिएशन की ओर से 25 से 28 जून 2026 तक हुई प्रतियोगिता के सभी मैच पुडुचेरी के एमजी रोड पर स्थित बासवी इंटरनेशनल स्कूल में खेले गए। प्रतियोगिता में देश भर के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 700 से अधिक एथलीटों (पुरुष और महिला) ने हिस्सा लिया। पुरुष वर्ग में हरियाणा ने स्वर्ण पदक (पहला स्थान) हासिल किया, जबकि पुडुचेरी उपविजेता (दूसरा स्थान) रही। महिला वर्ग में पंजाब की टीम ने स्वर्ण पदक जीता और हरियाणा उपविजेता रही।

इंडो-नेपाल इंटरनेशनल ताइक्वांडो शानदार प्रदर्शन

रायपुर। नेपाल के पोखरा में आयोजित इंडो-नेपाल इंटरनेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रायगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। रायगढ़ किड्स ताइक्वांडो एकेडमी स्पोर्ट्स क्लब के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से पूरे जिले में उत्साह का माहौल है। इस उपलब्धि के बाद खिलाड़ियों ने रायगढ़ में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी से मुलाकात की। कहा कि 10 स्वर्ण पदक जीतना खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। श्री चौधरी ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और राष्ट्र गौरव का भी सशक्त आधार है।

डायबिटीज वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती

डायबिटीज के मरीजों को भूलकर भी नहीं करनी चाहिए ऐसी गलतियां, वरना सेहत पर दिखने लगेगा असर

डायबिटीज के मरीजों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। इसमें शरीर में ब्लड शुगर का लेवल अनियंत्रित हो जाता है। भारत में तो यह स्थिति और भी गंभीर है, जहां लगभग 10 करोड़ लोग इस बीमारी से प्रभावित हैं। जिन लोगों को डायबिटीज की शिकायत है उन्हें इस बीमारी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने की जरूरत है। इसके लिए उन्हें संतुलित आहार लेना चाहिए, नियमित व्यायाम और एक सही जीवनशैली अपनाना चाहिए।

हालांकि अक्सर जाने-अनजाने में कुछ आम गलतियां हो जाती है जो ब्लड शुगर लेवल को अनियंत्रित कर सकती हैं और दीर्घकालिक स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं। ये गलतियां न केवल दवाइयों के प्रभाव को कम करती हैं, बल्कि जटिलताओं के खतरे को भी बढ़ा देती हैं। इसलिए मधुमेह प्रबंधन में इन गलतियों को समझना और उनसे बचना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चीनी युक्त भोजन का अधिक सेवन

डायबिटीज रोगी अक्सर भोजन का समय मिठाइयां, कोल्ड ड्रिंक और प्रोसेस्ड फूड खा लेते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ाता है। हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थ, जैसे सफेद चावल और मैदा खाने से बचें। इसके बजाय, जामुन, सेब, साबुत अनाज और फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ खाएं। रोजाना एक निश्चित समय पर भोजन करें और छोटे-छोटे अंतराल में भोजन लें।

व्यायाम की अनदेखी

नियमित व्यायाम डायबिटीज प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन कई लोग इसे नजरअंदाज करते हैं। बिना शारीरिक गतिविधि के ब्लड शुगर लेवल बढ़ता है और इंसुलिन सेंसटिवीटी कम होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, सप्ताह में कम से कम 150 मिनट मध्यम तीव्रता का व्यायाम, जैसे तेज सैर या योग, करें। यह रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और वजन प्रबंधन में मदद करता है।

दवाओं या इंसुलिन का अनियमित सेवन

कुछ डायबिटीज रोगी दवाओं या इंसुलिन का समय पर सेवन नहीं करते, जो खतरनाक हो सकता है। यह हाइपोग्लाइसीमिया (कम शुगर) या हाइपरग्लाइसीमिया (उच्च शुगर) का कारण बनता है। हमेशा डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाएं लें और शुगर लेवल की नियमित जांच करें। यदि दवा का समय भूल जाएं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

तनाव और नींद की कमी

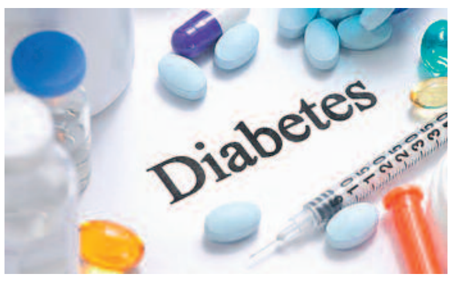

तनाव और अपर्याप्त नींद कोर्टिसोल हार्मोन को बढ़ाते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को प्रभावित करता है। डायबिटीज रोगी अक्सर तनाव और नींद की कमी को हल्के में लेते हैं, ये नुकसानदायक हो सकता है। रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें और तनाव कम करने के लिए ध्यान, योग या गहरी सांस लें। स्क्रीन टाइम कम करें और सोने से पहले शांत वातावरण बनाएं।

बचाव

डायबिटीज रोगी नियमित भोजन, व्यायाम, दवाओं का समय पर सेवन और तनाव प्रबंधन पर ध्यान दें। डाइट में जामुन, पपीता और हरी सब्जियां शामिल करें। रोजाना 2-3 लीटर पानी पिएं और तले-भुने खाद्य पदार्थों से बचें। नियमित रक्त शर्करा जांच और डॉक्टर की सलाह लें। यदि लक्षण जैसे थकान, बार-बार पेशाब या चक्कर आएं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

11वीं मिनीगोल्फ राष्ट्रीय चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ को स्वर्ण पदक

रायपुर। मिनीगोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देशन तथा मिनीगोल्फ एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में 11वीं मिनीगोल्फ राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन 25 से 30 जून तक श्री दावड़ा यूनिवर्सिटी, नया रायपुर में हुआ।

पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दावड़ा यूनिवर्सिटी के सी ई ओ चिन्मय दावड़ा ने की। अतिथियों ने विजेता, उपविजेता व अन्य खिलाड़ियों-टीम को सम्मानित किया।

प्रतियोगिता के परिणाम में स्ट्रोक इवेंट में पुरुष वर्ग टीम इवेंट में छत्तीसगढ़ ने प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस इवेंट में साकेत गुप्ता,भूपेंद्र प्रसाद, एस के साहू,जयेश तिवारी,विशाल पोपट और मेहुल साहू शामिल थे। द्वितीय स्थान पर महाराष्ट्र की टीम रही। इन्हें रजत पदक मिला। इस टीम में शेख सिकंदर,आयुष,कौशिक सोनवाने, प्रीतम चौधरी,प्रशांत देशमुख और आनंद सुलाखे शामिल थे। इसी तरह से तीसरे स्थान पर मध्य प्रदेश की टीम रही जिसे कांस्य पदक प्राप्त हुआ। इस टीम में सचिन चौधरी अमित गिरी ,रोशन शाह,सिद्धार्थ और शौर्य वर्धन शामिल थे। महिला वर्ग टीम इवेंट में प्रथम स्थान पर महाराष्ट्र की टीम रही जिन्हें स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। इस टीम में पीयूषिका थोरात,ज्योति किर्दक,प्रांजलि,खुशी गायकवाड़ और सुषमा विश्वकर्मा शामिल थे। दूसरे स्थान पर मेजबान टीम छत्तीसगढ़ रही। जिसमें प्रदेश टीम में किंजल पोपट,वंदना मिंज ,प्रियंका, मनुप्रिया, छलक यादव और सीमा यादव शामिल रही। तीसरे स्थान पर पश्चिम बंगाल टीम रही जिसे कांस्य पदक हासिल हुआ। इसमें मीनाक्षी झा, ऋषिका पॉल, बिस्वास अशी सेनगुप्ता,आशिका खातून,रुख़्सार इस्लाम खिलाड़ी के रूप में शामिल थे। स्ट्रोक पुरुष वर्ग के सिंगल इवेंट में प्रथम अंशुमन शर्मा स्वर्ण पदक (छत्तीसगढ़) द्वितीय सचिन चौधरी रजत पदक (मध्यप्रदेश) और तृतीय संवर्त कांस्य पदक (उत्तर प्रदेश) रहे।

डबल इवेंट में प्रथम चुनमुन व प्रीतम स्वर्ण पदक (छत्तीसगढ़) , द्वितीय योगेश व महिंद्रा (राजस्थान), तृतीय आर जोथीश व एम कुमारन (तमिलनाडु) रहे। महिला वर्ग के सिंगल स्ट्रोक इवेंट में प्रथम अंजली स्वर्ण पदक (उत्तराखंड) द्वितीय रजत पदक ज्योति किर्दक (महाराष्ट्र) और तृतीय शिवानी सोनी कांस्य (छत्तीसगढ़) रहे। डबल इवेंट में प्रथम सप्तर्षि योतिकार व वैदेही प्रथम स्वर्ण पदक (महाराष्ट्र) द्वितीय राजीव व सिमरन रजत पदक (मध्यप्रदेश) तृतीय रोहिणी व शिप्रा कांस्य पदक (हरियाणा) रहे। स्पीड इवेंट पुरुष वर्ग टीम इवेंट में आयोजित इस स्पर्धा प्रथम स्थान पर महाराष्ट्र की टीम विजयी रही जिन्हें स्वर्ण पदक दिया गया। इस टीम में आयुष ,सौरभ,लिखित चौधरी,रोहित चौधरी,कौशिक सोनवाने और आनंद सुलाखे शामिल थे। दूसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की टीम रही जिन्हें रजत पदक मिला। प्रदेश की इस टीम में दुर्गेश,लोकेश्वर,निखिल, बृजदेव , नशीष और अनिरुद्ध शामिल थे। तीसरे स्थान पर पश्चिम बंगाल की टीम रही जिन्हें कांस्य पदक प्राप्त हुआ।

घर के किस कोने में लगाएं कामधेनु गाय की तस्वीर

कहा जाता है कि कामधेनु गाय की तस्वीर को घर पर लगाना शुभ होता है। आप अगर घर में कामधेनु गाय को रखते हैं, तो इससे घर में बरकत बनी रहेगी। लेकिन इस बार आप इसे घर में रखने की बजाए घर की दीवार पर लगाएं। इससे आपके घर में सकारात्मकता बनी रहती है। पंडित जन्मेश द्विवेदी से जानते हैं इनकी तस्वीर को घर की किस दिशा में लगानी चाहिए। आपके घर में सकारात्मकता बनी रहे। इसके लिए आप कामधेनु गाय को उत्तर पूर्व दिशा में इस तस्वीर को लगाएं। घर की यह सबसे ज्यादा पवित्र दिशा मानी जाती है। यह दिशा भगवान शिव और देवताओं से जुड़ी होती है। कामधेनु गाय की तस्वीर या मूर्ति यहीं लगाने से घर में धन और शांति का वास होता है।

अगर आपके घर में अलग से पूजा का घर है, तो उसकी उत्तर या पूर्व की दीवार पर कामधेनु की तस्वीर लगा सकते हैं। इससे पूजा का प्रभाव बढ़ता है और धार्मिक ऊर्जा मजबूत होती है। साथ ही, आपके रुके हुए कार्य भी आसानी से हो जाएंगे। इसलिए आप मंदिर की इस दीवार पर कामधेनु गाय की तस्वीर को जरूर लगवाएं।

मिलावट को कहें बाय-बाय, घर पर आसानी से बनाएं शुद्ध देसी घी

सेहत के लिए देसी घी का सेवन काफी अच्छा माना जाता है। डॉक्टर भी बड़ों से लेकर बच्चों तक को घी खाने की सलाह देते हैं, क्योंकि ये शरीर की कई परेशानियों को दूर करने का काम करता है। आपको घर पर देसी घी बनाने की विधि के बारे में जरूर जानना चाहिए।

घर पर देसी घी बनाने का सामान

घर पर यदि आप बिना मिलावट वाला घी तैयार करना है, तो उसके लिए आपको सिर्फ दो चीजों की जरूरत होती है। इसमें एक है कम से कम आधा किलो मलाई और ठंडा पानी। इन दोनों चीजों की मदद से आप घर पर घी तैयार कर सकते हैं।

विधि: अब जानते हैं कि ये घी कैसे बनता है। तो इसके लिए सबसे पहले तो कम से कम 15 दिन तक आपको मलाई जमा करनी है। ध्यान रखें कि ये मलाई ज्यादा पुरानी न हो। इसे फ्रिज में ही जमा करके रखें। जब ये इकट्ठा हो जाए तो बारी आती है घी बनाने की। घी बनाने से पहले थोड़ी देर पहले इसे फ्रिज से निकालकर बाहर रख दें।

इसके बाद मलाई को एक बड़े से गहरे बर्तन में डाल लें। अब इसे मथनी से मथकर मक्खन निकालें। यदि मथनी चलाना नहीं आता है तो मिक्सी में डालकर ब्लैंड करें। इसमें थोड़ा-थोड़ा ठंडा पानी डालें और लगातार चलाएं। कुछ मिनट में मक्खन ऊपर तैरने लगेगा और नीचे मट्ठा (छाछ) रह जाएगा। अब मक्खन को छानकर अलग निकाल लें।

इसके बाद बारी आती है मक्खन से घी बनाने की तो उसके लिए एक भारी तले वाली कढ़ाई या गहरे बर्तन में मक्खन डालें और धीमी आंच पर पकाना शुरू करें। इस दौरान धीरे-धीरे मक्खन पिघलने लगेगा और झाग बनने लगेगा।

कुछ देर में झाग कम होने लगेगा और नीचे हल्के भूरे रंग के कण दिखेंगे। इसे बीच-बीच में चलाते रहें। जब ये भूरे कण पूरी तरह से नीचे हो जाएंगे, तो ऊपर पारदर्शी घी दिखने लगेगा. जब ये पूरीतरह से ट्रांसपेरेंट हो जाए तो मतलब आपका बिना मिलावट वाला घी तैयार है। इसे कांच के एयर कंटेनर में स्टोर करें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

एवरेस्ट विजेता तेनजिंग पर बनेगी फिल्म, टॉम हिडलस्टन और गेंडन फुंट्सोक निभाएंगे किरदार

टॉम हिडलस्टन और गेंडन फुंट्सोक जल्द ही एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म एवरेस्ट के दिग्गज तेनजिंग नोर्गे की कहानी को पर्दे पर लाएगी। माउंट एवरेस्ट पर पहली बार फतह हासिल करने वाले महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे की जिंदगी पर एक फिल्म बनने जा रही है, जिसका नाम 'तेनजिंग' होगा। इस बायोपिक ड्रामा फिल्म में टॉम हिडलस्टन और गेंडन फुंट्सोक मुख्य भूमिका निभाएंगे।

इस फिल्म को को एप्पल टीवी द्वारा तैयार किया जा रहा है। इस फिल्म का निर्देशन ऑस्ट्रेलियाई फिल्म निर्माता जेनिफर पीडम करेंगे। फिल्म का लेखक ल्यूक डेविस करेंगे। यह फिल्म 29 मई 1953 की उस ऐतिहासिक घटना पर आधारित है, जब शेरपा तेनजिंग नोर्गे और न्यूजीलैंड के एडमंड हिलेरी ने पहली बार माउंट एवरेस्ट की चोटी पर कदम रखा था।

तेनजिंग नोर्गे की भूमिका अभिनेता गेंडन फुंट्सोक निभाएंगे, जोकि एक नेपाली-भारतीय शेरपा पर्वतारोही के रूप में नजर आएंगे। एडमंड हिलेरी की भूमिका में हॉलीवुड स्टार टॉम हिडलस्टन नजर आएंगे। इन दोनों के अलावा फिल्म में विलेम डैफो, कैट्रिओना बाल्फे, तेनजिन डल्हा और थिनले ल्हामो नजर आएंगे।

तेनजिंग नोर्गे की पत्नी और अभियान की सचिव जिल हेंडरसन मिलकर ब्रिटिश क्लाइंबिंग टीम के लीडर कर्नल जॉन हंट को इस बात के लिए मनाती हैं कि तेनजिंग को केवल एक मददगार के रूप में नहीं, बल्कि टीम के एक मुख्य सदस्य के तौर पर शामिल किया जाए।

टॉलीवुड

'करुप्पु' की कामयाबी के बाद सूर्या को मिली नई मूवी, होम्बले फिल्म्स ने किया एलान

साउथ के सुपरस्टार सूर्या अब एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। वह होम्बले फिल्म्स के साथ काम करेंगे। इस प्रोडक्शन हाउस ने 'केजीएफ' और 'कांतारा' जैसी फिल्में बनाई हैं। साउथ के बेहतरीन अभिनेता सूर्या अपनी फिल्म 'करुप्पु' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इस बीच उन्हें एक और फिल्म मिली है। होम्बले फिल्म्स ने आधिकारिक तौर पर अपने अगले महत्वाकांक्षी सिनेमाई प्रोजेक्ट की घोषणा कर दी है। इसमें सूर्या अहम रोल में होंगे। उनके साथ एक्ट्रेस कायाडू लोहार होंगी। होम्बले फिल्म्स ने पहले 'केजीएफ', 'कांतारा' और 'सालार' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुका है। फिल्म में साई अभ्यंकर का म्यूजिक होगा, एस. आर. काथिर सिनेमैटोग्राफी संभालेंगे, के. काथिर प्रोडक्शन डिजाइन करेंगे और एडिटिंग फिलोमिन राज की होगी। इस नए सफर की ऑफिशियल शुरुआत 29 जून को चेन्नई के पार्क हयात होटल में एक भव्य मुहूर्त पूजा के साथ हुई। इस खास मौके पर फिल्म के एक्टर्स, क्रू मेंबर्स और फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े चेहरे शामिल हुए। इसके साथ ही भारतीय सिनेमा के इस सबसे बड़े और धमाकेदार प्रोजेक्ट का आगाज हो चुका है। एक बेमिसाल एक्टर, एक उभरती हुई एक्ट्रेस, एक विजनरी डायरेक्टर और कमाल की फिल्में बनाने वाला प्रोडक्शन हाउस, ये सब जब एक साथ आए हैं, तो यकीनन कुछ ऐसा बनने जा रहा है जो हर पीढ़ी के दर्शकों को हमेशा याद रहेगा।

भारतीय सिनेमा के सबसे चहेते और बड़े सितारों में से एक, सूर्या ने दो दशकों से भी ज्यादा समय से अपनी दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीता है। दो नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स और सात फिल्मफेयर अवॉर्ड्स साउथ अपने नाम कर चुके सूर्या ने हमेशा कमर्शियल सक्सेस और क्रिटिकली अक्लेम्ड फिल्मों के बीच एक बेहतरीन बैलेंस बनाकर रखा है।

भोजपुरी

आत्मा बन लिया बदला, खौफनाक हॉरर फिल्म आज भी सुपरहिट

भोजपुरी की ऐसी हॉरर फिल्म बनी जिसने 9 साल पहले रिलीज होने पर बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा दिया था। फिल्म की कहानी से लेकर हॉरर और ट्विस्ट खूब पसंद किए गए। इसे बंपर ओपनिंग मिली थी। फिल्म में पाखी हेगड़े और अरविंद अकेला कल्लू लीड रोल में थे।

हॉरर फिल्में हमेशा से दर्शकों की पसंदीदा रही हैं। भले ही इनकी कहानी घिसी-पिटी क्यों न हो, लेकिन अचानक होने वाली घटनाओं और बैकग्राउंड म्यूजिक की वजह से ये फिल्में दर्शकों को बुरी तरह डरा देती हैं। हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड में एक से बढ़कर एक हॉरर फिल्में रही हैं, जिन्हें देख दर्शकों की घिग्घी बंध गई और पसीने छूट गए। हॉलीवुड में तो कुछ ऐसी भी हॉरर फिल्में रहीं, जिन्हें हद से ज्यादा हिंसा, क्रूरता और खौफनाक सीन्स के कारण बैन कर दिया गया था। वैसे भोजपुरी भी हॉरर फिल्मों के चस्के से अछूता नहीं रहा। इस इंडस्ट्री में भी कई दमदार हॉरर फिल्में बनी हैं। यहां आपको भोजपुरी की एक ऐसी ही हॉरर फिल्म के बारे में बता रहे हैं, जिसमें पाखी हेगड़े और अरविंद अकेला कल्लू लीड रोल में थे, और यह भोजपुरी की सुपरहिट हॉरर फिल्म रही। इस फिल्म का नाम है 'बलमा बिहार वाला 2'। पाखी हेगड़े और अरविंद अकेला कल्लू स्टारर यह फिल्म भोजपुरी इंडस्ट्री की हिट हॉरर फिल्मों में से एक है। इसे साल 2016 में बिहार और मुंबई में एक साथ रिलीज किया गया था। इसमें पाखी हेगड़े की एक्टिंग को खूब सराहा गया था।

बालों की नुमाइश

लंबे और खुले बालों का फैशन आजकल मिनिमलिस्ट और एफर्टलेस लुक पर आधारित है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैशन डिजाइनर अपने कलेक्शन में तमाम डिजाइनों के बीच खुले और लंबे बालों को तरजीह दे रहे हैं। जिसमें बालों को प्राकृतिक रूप से लहराते हुए या स्लीक सीधा रखकर खुला छोड़ा जाता है। ट्रेंड में सबसे आगे सॉफ्ट कर्ल्स, क्लासिक स्ट्रेट लुक, और हाफ-अप हेयरस्टाइल शामिल हैं।

बादाम से आप भी चेहरे को बना सकती हैं खूबसूरत

अगर आप भी अपने चेहरे की खूबसूरती को बरकरार रखना चाहती है और स्किन प्रॉब्लम से बचना चाहती है, तो ब्यूटी एक्सपर्ट के बताएं इस खास होममेड बादाम स्क्रब को घर पर बनाकर ट्राई कर सकती हैं। मानसून के सीजन में अगर आप भी अपने चेहरे की खूबसूरती को बरकरार रखना चाहती है और स्किन प्रॉब्लम से बचना चाहती है, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आज हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से होममेड बादाम स्क्रब के बारे में बताएंगे, जिसका इस्तेमाल कर आप अपने चेहरे पर जमी गंदगी को कम कर सकती हैं।

बादाम का इस्तेमाल कर बनाएं स्क्रब

ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी ने बताया कि अधिकतर महिलाएं चेहरे पर होने वाली टैनिंग और पिंपल्स जैसी परेशानियों का सामना करती है, लेकिन अब आप बादाम का इस्तेमाल कर घर पर स्क्रब तैयार कर सकती हैं। इसे बनाने के लिए आपको कुछ सामग्री की जरूरत लगेगी। इनमें बादाम ,सफेद तिल ,एसेंस ऑयल और जैस्मीन ऑयल शामिल हैं।

बादाम से स्क्रब बनाने का तरीका

अगर आप भी घर पर बादाम का इस्तेमाल कर स्क्रब बनाना चाहती हैं, तो सोने से पहले रात में 5 से 6 बादाम और थोड़ी सफेद तिल को एक पानी में भिगोकर रख दें। दूसरे दिन सुबह आप पानी के अलग कर बादाम और तिल को जार में डाल दें। अब आप इसे मिक्सर या ब्लेंडर की मदद से पीसकर पेस्ट बना ले। बादाम से बने इस पेस्ट के अंदर आप एसेंस ऑयल डाल सकती हैं। आप चाहे तो जैस्मीन ऑयल भी इस्तेमाल कर सकती हैं। यह चेहरे के लिए बेस्ट फायदेमंद होता है।

अगर आप बॉडी की टैनिंग हटाना चाहती है, तो इस स्क्रब को बॉडी पर 10 मिनट के लिए लगाकर रखें। अगर आप इसे चेहरे के लिए इस्तेमाल कर रही है, तो 5 मिनट तक इसे लगाकर रखें। उसके बाद हल्के हाथों से चेहरे को रब करें। स्क्रब का आप हफ्ते में दो बार इस्तेमाल कर सकती हैं। स्क्रब का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें।अगर आपको किसी तरह की कोई एलर्जी होती है, तो डर्मेटोलॉजिस्ट या एक्सपर्ट की राय जरुर ले।

कॉलेज जानें वाली लड़कियों के लिए बेस्ट हैं फ्रॉक पैटर्न

अगर आप सावन के महीने में पहनने के लिए आउटफिट तलाश रही है, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप कम खर्च में खूबसूरत फ्रॉक पैटर्न कुर्ती ट्राई कर सकती है।

कॉलेज जाने वाली अधिकतर लड़कियों के मन में हमेशा आउटफिट को लेकर कन्फ्यूजन बना रहता है। रोजाना एक जैसे कपड़े पहनकर जाने से कुछ लड़कियों को शर्मिंदगी महसूस हो सकती है। ऐसे में अगर आप सावन के महीने में पहनने के लिए आउटफिट तलाश रही है, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप कम खर्च में खूबसूरत फ्रॉक पैटर्न कुर्ती ट्राई कर सकती है।

पिंक कलर प्रिंटेड फ्रॉक पेटर्न कुर्ती

सावन के महीने में आप अपने कॉलेज में इस खूबसूरत पिंक कलर प्रिंटेड फ्रॉक पेटर्न कुर्ती को ट्राई कर अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती आपको ऑनलाइन मिल जाएगी या आप बाजार से कपड़ा लेकर टेलर की मदद से इसे बनवा भी सकती है। इस कुर्ती के साथ आप वाइट कलर का प्लाजो या पैंट शामिल कर सकती है।

व्हाइट कलर प्रिंटेड फ्रॉक पेटर्न कुर्ती

यही नहीं अगर आप सावन सोमवार के दिन अपने कॉलेज में डिफरेंट लुक क्रिएट कर जाना चाहती है, तो पेंट, जींस या प्लाजो के साथ इस खूबसूरत व्हाइट कलर प्रिंटेड फ्रॉक पेटर्न कुर्ती को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगी। इसके साथ आप मेकअप और एक्सेसरीज भी शामिल कर सकती हैं।

रेड कलर फ्लोरल प्रिंट शॉर्ट कुर्ती

सावन के महीने में अगर आप अपनी खूबसूरती से अपने दोस्तों को खुश करना चाहती है या कॉलेज में डिफरेंट लुक क्रिएट करना चाहती है, तो आप इस खूबसूरत रेड कलर फ्लोरल प्रिंट शॉर्ट कुर्ती को ट्राई कर सकती है। इस तरह की कुर्ती को आप बनवा सकती है ।

खास बाजूबंद के डिजाइन आपकी खूबसूरती में लगा देंगे चार चांद

अगर आप सावन के महीने में आउटफिट के साथ कैसी एक्सेसरीज पहने इस बात को लेकर परेशान हैं, तो आज हम आपको कुछ ऐसे लेटेस्ट बाजूबंद डिजाइन बताएंगे, जिन्हें ट्राई कर आप अपने लुक को गॉर्जियस बना सकती हैं।

फ्लोरल लटकन बाजूबंद डिजाइन

इस साल सावन के महीने को अगर आप यादगार बनाना चाहती हैं, तो किसी भी सोमवार के दिन पूजन के दौरान आप अपने साड़ी या सूट के साथ इस खूबसूरत फ्लोरल लटकन बाजूबंद डिजाइन को ट्राई कर सकती है। ऐसी आर्टिफिशियल डिजाइन आपको ऑनलाइन मिल जाएगी या आप गोल्ड में इसे बनवा भी सकती हैं।

फ्लोरल चैन बाजूबंद

यही नहीं अगर आप सावन के महीने में शिव अभिषेक के दौरान राजपूती पोशाक या लहंगा चोली पहन रही है, तो अब आप अपने आउटफिट को एलिगेंट टच देने के लिए इस खूबसूरत फ्लोरल चैन बाजूबंद को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह का बाजूबंद आपको रॉयल और क्लासी टच देने में मदद करेगा।

मोर डिजाइन बाजूबंद

यही नहीं इन दोनों मोर डिजाइन वाले बाजूबंद भी बेहद चर्चा में है। अधिकतर महिलाओं को मोर वाली डिजाइन के बाजूबंद खूब पसंद आते हैं। ऐसे में आप इस साल सावन के महीने में पूजन के दौरान अपने आउटफिट के साथ इस खूबसूरत मोर डिजाइन वाले बाजूबंद को ट्राई कर सकती हैं। इसे पहनकर आप अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं।

पसीने की बदबू दूर करने घर पर बनाएं नेचुरल डिओडोरेंट और दिनभर रहें फ्रेश

बारिश का मौसम बहुत अच्छा लगता है, लेकिन इस दौरान नमी और उमस भी बढ़ जाती है। इसी उमस की वजह से हमें बहुत पसीना आता है और फिर पसीने से बदबू आने लगती है। ऐसे में महंगे परफ्यूम और डियोडोरेंट भी ज्यादा काम नहीं करते इसलिए, आज हम आपको घर पर ही नैचुरल डियोडोरेंट बनाने का तरीका बता रहे हैं।

नैचुरल डियोडोरेंट क्यों बेहतर है?

घर पर बना नैचुरल डियोडोरेंट इस्तेमाल करने से न केवल बदबू से छुटकारा मिलता है, बल्कि यह आपकी स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। होममेड डियोडोरेंट में कोई केमिकल नहीं होता और यह ज्यादा देर तक असरदार रहता है। आप इसे सेंसिटिव स्किन पर भी लगा सकते हैं, इससे जलन नहीं होती। घर पर बना डियोडोरेंट सस्ता होता है और आप इसे बनाकर लंबे समय तक चला सकते हैं।

बेकिंग सोडा और नारियल तेल का डियोडोरेंट

पसीने की बदबू दूर करने वाला बेकिंग सोडा: 2 बड़े चम्मच,पसीने को सोखने वाला कॉर्नस्टार्च: 2 बड़े चम्मच स्किन को मॉइश्चराइज करने के लिए नारियल तेल: 3 बड़े चम्मच बैक्टीरिया मारने वाला टी ट्री ऑयल: 4–5 बूँदें हल्की और सुकून देने वाली ख़ुशबू के लिए लैवेंडर ऑयल: 4-5 बूंदें

कैसे बनाएं: सबसे पहले एक काँच की कटोरी में बेकिंग सोडा और कॉर्नस्टार्च मिलाएं। फिर, इसमें नारियल तेल डालकर अच्छी तरह मिलाएं। तब तक मिलाते रहें जब तक यह क्रीमी न बन जाए। आखिर में टी ट्री ऑयल और लैवेंडर ऑयल मिलाएं। इसके बाद इसे एक छोटे डिब्बे या हवा-बंद जार में भरकर रखें।

कार्नर न्यूज

बियर्ड ट्रिम करना हो तो बरतें सावधानी

घर पर बियर्ड ट्रिम करते हुए जब हो जाए गलती तो इन टिप्स से लें मदद, खिल उठेगा आपका चेहरा

घर पर बियर्ड ट्रिमिंग करना कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन ऐसा करते हुए इसमें गलतियां कर देना बड़ी बात है। कुछ गलतियां तो इतनी बड़ी होती हैं कि आपका लुक ही बिगाड़ देती हैं। इसलिए जरूरी है कि कुछ आम गलतियों को पहचान लिया जाए। पहचान लिया जाए कि कौन सी गलतियां लोग आमतौर पर करते हैं ताकि आप वो गलती बिल्कुल न करें और आपका बियर्ड लुक न बिगड़ें। कौन-कौन सी हैं बियर्ड ट्रिमिंग से जुड़ी गलतियां जान लेते हैं-

ट्रिमिंग कब करें

ज्यादातर पुरुष बियर्ड के बहुत बढ़ जाने के बाद ही ट्रिमिंग करते हैं। और फिर इतना ट्रिम कर देते हैं कि लुक खराब लगने लगता है। जबकि बालों को ट्रिम करने के बाद बियर्ड की लंबाई कम से कम 1 सेंटीमीटर तक होनी चाहिए। इससे कम होने पर बियर्ड आपके चेहरे पर खराब दिखती है।

गर्दन और कलम के बाल

बियर्ड ट्रिम हो जाने के बाद अक्सर पुरुष कलम और गर्दन के बालों को

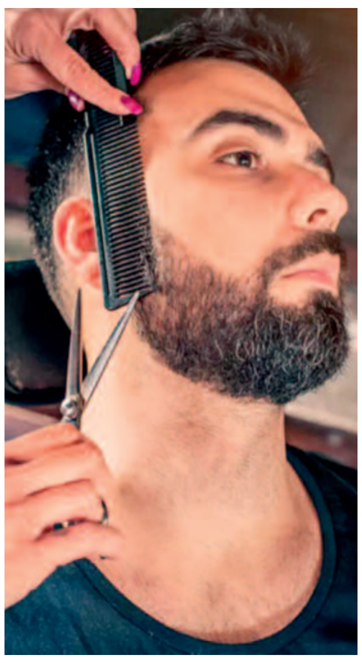

ट्रिम करते ही नहीं हैं। जबकि ट्रिम बियर्ड तब ही सही लगती है जब कलम और गर्दन के पास भी इन्हें अच्छे से ट्रिम किया जाए। ऐसा करने के लिए ट्रिमर की सेटिंग थोड़ी कम करें। फिर जहां भी बाल ज्यादा हों ट्रिम कर दें।

बहुत छोटी मूंछ

मूंछों को जरूरत से ज्यादा छोटा कर देना भी चेहरे के लुक को फुल मार्क्स नहीं मिलने देता है। इससे मूंछों का जुड़ाव दाढ़ी से टूट जाता है।इसलिए जरूरी है कि मूंछों को जरूरतभर ही ट्रिम किया जाए। मूंछों को उतना ही छोटा करें कि उसका जुड़ाव दाढ़ी से कम न हो। और दाढ़ी मूंछे आपस में जुड़ी रहें।

होंठों के किनारे

मूंछें होंठों के किनारों पर अक्सर कम होती हैं। ट्रिम करते हुए इन बालों का ध्यान रखना पड़ता है। क्योंकि अगर पूरी मूंछ एक जैसी ट्रिम करेंगे तो इन किनारों पर और भी छोटी हो जाएगी।इसलिए ट्रिम करते हुए इन बालों को समानुपात में ही काटें। वरना दाढ़ी के साथ इस जगह के बाल बहुत कम होंगे और बुरे भी लगेंगे।

बियर्ड की सफाई

जिस तरह से सिर के बालों की सफाई न करने पर इसमें गंदगी जम जाती है, फिर बालों की क्वालिटी पर इसका असर पड़ता है। ठीक वैसे ही दाढ़ी के बालों की सफाई न करने पर इसमें गंदगी जम जाती है और फिर इसका असर भी दिखने लगता है। दाढ़ी पर तो कई बार खाना भी गिर सकता है। इसलिए दाढ़ी के बालों की सेटिंग और स्टाइल पर ध्यान देने के साथ इसकी सफाई पर भी ध्यान दें। इससे दाढ़ी नेचुरल तरह से बढ़ेगी और इसके बाल फ्रीजी भी नहीं होंगे।